प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 16 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 21 जनवरी 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

आपकी मुस्कान आपके चेहरे पर भगवान के हस्ताक्षर है, उसे अपने आंसुओं से धुलने या क्रोध से मिटने ना दें।

बीके शीवानी

झाबुआ -अलिराजपुर के पत्रकारो के समागम में हुआ सयुक्त पत्रकार संघ के गठन का निर्णय

श्री घोड़ावत पुण्य स्मरण दिवस हुआ यादगार, पत्रकारों के साथ प्रतिभावान एवं कोरोना योद्धा का हुआ सम्मान

पत्रकारिता के पतन नहीं , परवान का माध्यम बने पत्रकार- श्री कोठारी

घोड़ावत जी को दी गई श्रद्धांजलि।

पत्रकार संघ इकाई करवड़ ने अतिथियो का किया स्वागत।

कोरोना योद्धा सफाई कर्मी सुगना बाई को किया सम्मानित।

उदयमान पत्रकारिता सम्मान 2020-21 से राकेश गेहलोत बामनिया को किया सम्मानित।

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़

झाबुआ जिले के ग्राम करवड में स्व.श्री यशवंतजी घोडावत के सप्तम पुण्यस्मरण दिवस पर आयोजित पत्रकारों का महासम्मेलन कई मायनों में पुरानी यादों के साथ यादगार साबित हुआ ।

बुधवार को जिले के पत्रकारिता के पितृ पुरूष एवं जिला पत्रकार संघ के भीष्म पितामह यशवंतजी घोडावत के सप्तम पुण्य स्मरण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा एवं झाबुआ अलिराजपुर जिले के पत्रकारों का महासम्मेलन आयोजित किया गया । उक्त सम्मेलन जिला पत्रकार संघ द्वारा 20 जनवरी को प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। परन्तु इस वर्ष पत्रकारों का यह महासम्मेलन कई मायनों में यादगार साबित हुआ । बता दे कि, झाबुआ-अलिराजपुर के विभाजन के बाद यह पहला ऐसा अवसर था जब झाबुआ एवं अलिराजपुर के पत्रकारों का संयुक्त महासम्मेलन आयोजित हुआ। उक्त महासम्मेलन की गरिमा अलिराजपुर जिले के वे पत्रकार थे ,जिन्होंने स्व. घोडावतजी के समकालीन रहकर 25 से 30 वर्षो तक साथ रहकर पत्रकारिता में आने वाली हर बाधाओं को लांघकर अपनी पैनी कलम का परचम लहराया था । आयोजन में अतिथि के रूप में अलिराजपुर से अशोकजी ओझा , रघु जी कोठारी , आशुतोष जी पंचोली , आम्बुआ से जगराम जी विश्वकर्मा ,नानपुर से शफ़ाकत जी दाउदी ,प्रदीप क्षीरसागर , जिले के वरिष्ठ पत्रकार विरेन्द्रजी व्यास ,ग्राम पंचायत करवड की सरपंच श्रीमती शांतिबाई सोलंकी प्रमुख रूप से उपस्थित थे । साथ ही मंच पर जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष संजय भटेवरा , युवा पत्रकार संघ अध्यक्ष लोकेन्द्र परिहार ,पेटलावद तहसील अध्यक्ष मोहन पडियार , करवड पत्रकार संघ इकाई अध्यक्ष बंशीलाल शर्मा उपस्थित थे ।

आयोजन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ स्व. श्री यशवंतजी घोडावत को भावपूर्ण पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ किया गया । आयोजन में मां सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति शा.हाईस्कूल की छात्राओं द्वारा दी गई ।

स्वागत भाषण देते हुए जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष संजय भटेवरा ने कहा कि स्व.यशवंतजी घोडावत ने जिस जिला पत्रकार संघ का संगठन के रूप में एक विशाल परिवार का गठन किया था जिसके लिए वे जीवन भर समर्पित रहे । घोडावतजी के समय में अविभाजित झाबुआ जिले के पत्रकारों को वर्तमान परिपेक्ष में पुनः एक कडी में जोडकर संगठन को और अधिक व्यापक बनाने हेतु झाबुआ-अलिराजपुर जिला पत्रकार संघ के संयुक्त संगठन की आवश्यकता है। श्री भटेवरा ने स्व. यशवंतजी घोडावत की मंशानुरूप झाबुआ - अलिराजपुर जिले के समीपस्थ जिला दाहोद ,बांसवाडा, धार ,रतलाम आदि को मिलाकर एक भौलांचल पत्रकार संघ बनाए जाने की बात कहीं ।श्री भटेवरा ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, किस तरह से सत्ता एवं प्रशासन निरंकुश होकर कार्य कर रही है और जब पत्रकार उनके काले कारनामों को उजागर करता है तो वे राजनैतिक संरक्षण के साथ पत्रकारिता को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोडते है।

विशिष्ट अतिथि रघु कोठारी ने पत्रकारो को किया सम्बोधित।

झाबुआ-अलिराजपुर के पत्रकार महासम्मेलन में हुए शामिल।

आयोजन के अतिथि प्रदीप जी क्षीरसागर ,शफ़ाकत जी दाउदी, आशुतोष जी पंचोली, विरेन्द्र जी व्यास ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, स्व. घोडावतजी ने जिन आदर्शो के साथ पत्रकारिता की थी वह आज के युग के पत्रकारों के लिए प्रेरणास्पद है ,स्व. घोडावतजी ने आज से 20-25 वर्ष पूर्व अविभाजित झाबुआ जिले में जिला पत्रकार संघ रूपी जो वृक्ष लगाया था जो कि अब वृहद आकार ले चुका है, ऐसे आयोजनों में परिचर्चा का विषय होना चाहिए जिससे नए पत्रकारों को पुराने पत्रकारों के अनुभव का लाभ मिल सके ।

आयोजन में अशोक जी ओझा ने काव्यात्मक रूप से अपनी बात कहते हुए कहा कि पत्रकारिता करना एक कठिन काम है और अपने गीतों के माध्यम से पत्रकारों को नई दिशा प्रदान की ।

अतिथि रघु जी कोठारी ने अपने जोशपूर्ण उदबोधन में कहा कि, पत्रकारिता समाज ,देश-प्रदेश के पतन का कारण ना बने बल्कि सेवा के माध्यम से पत्रकारिता परवान चढे । श्री कोठारी ने 35 वर्षो तक घोडावत जी के साथ रहकर की गई अपनी पत्रकारिता के विभिन्न उतार -चढाव के दौर का वर्णन किया । श्री कोठारी ने श्री भटेवरा के रखे विचारों पर अपनी पूर्ण सहमति देते हुए कहा कि, अब से झाबुआ-अलिराजपुर जिला पत्रकार संघ संयुक्त रूप से पत्रकारों के कार्यक्रम आयोजित करेगा । इस संदर्भ में श्री कोठारी ने कहा कि होली मिलन समारोह अलिराजपुर जिले में आयोजित होगा तथा 31 दिसम्बर का आयोजन झाबुआ जिले में आयोजित किया जावेगा । इस प्रकार वर्ष में दो आयोजन दोनों जिले में संयुक्त रूप से आयोजित होगें , जिसको लेकर शीघ्र ही झाबुआ एवं अलिराजपुर के पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी ।

इनका हुआ सम्मान

आयोजन में अतिथियों के कर-कमलों से प्रतिभा सम्मान के रूप में खवासा के चार संकुल क्षेत्र मे सत्य साई कोवेट स्कूल की कु.हर्षिता संजय पाटीदार को वर्ष 2019-20 में कक्षा 12 वीं में 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर, कु.बबली किशोर मकवाना को कक्षा 12 वीं में 80.04 प्रतिशत अंक. प्राप्त कर प्रथम आने पर , कु. प्रमिला गौरीशंकर कटारा को कक्षा 10 वीं में 95.03 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संकुल में द्वितीय स्थान ,कु.मुस्कान देवेन्द्रसिंह यादव को कक्षा 10 वीं 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संकुल क्षेत्र में प्रथम एवं जिले में चतुर्थ स्थान पर आने, शा.कन्या हाईस्कूल करवड की कु. दिव्या भवरसिंह झाला को कक्षा 10 वी में संकुल क्षेत्र में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 1111रूपए के पारितोषिक व सम्मान पत्र. के साथ जिला पत्रकार संघ द्वारा सम्मानित किया गया । कोरोना योद्धा के रूप में उत्कृष्ट सम्मान ग्राम करवड की सफाईकर्मी श्रीमती धापूबाई, श्रीमती सुगनाबाई एवं जरूरतमंदों को सहायता करने के लिए समरथमल माण्डोत को सम्मान पत्र प्रदान किया गया ।

पत्रकारिता का हुआ सम्मान

जिला पत्रकार संघ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 2020-21 का उदयमान पत्रकारिता सम्मान राकेश गेहलोत बामनिया , आजीवन प्रखर पत्रकारिता सम्मान वरिष्ठ पत्रकार बंशीलाल शर्मा करवड़ तथा सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान (मरणोपरांत) स्व. श्री ठा.जोरावरसिंह जी गौर पिटोल को सम्मानित करते हुए उनके पुत्र ठा. निर्भयसिंह गौर को प्रदान किया गया।

आयोजन में झाबुआ एवं अलिराजपुर जिले के विभिन्न ग्रामों से बडी संख्या में पत्रकारों ने सहभागिता की। जिला पत्रकार संघ द्वारा अतिथियों को स्मृति चिंह से सम्मानित किया गया। आयोजन का संचालन वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पंवार व महासचिव राजेश सोनी द्वारा किया गया । आभार पत्रकार संघ करवड के अभीजीतसिंह पंवार ने माना ।

आजीवन प्रखर पत्रकारिता पुरस्कार 2020-21 से वरिष्ठ पत्रकार श्री बंशीलाल शर्मा को किया सम्मानित।

सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान (मरणोपरांत) 2020-21 से स्व. श्री ठा. जोरावर सिंह जी गौर पिटोल को सम्मानित कर पुत्र ठा. निर्भय सिंह को प्रदान किया सम्मान।

पत्रकार मनोज जानी अतिथियो को प्रतिक विन्ह भेट करते हुए

सत्य साई कान्वेट खवासा की छात्रा मुस्कान यादव को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित करते हुए अतिथि।

नामी फ्लिपकार्ट कंपनी से ऑनलाइन खरीदी में हुई धोखाधड़ी, लेपटॉप की जगह निकला पत्थर

ठगी के शिकार हुए युवक ने उपभोक्ता फारम में की शिकायत, कम्पनी ने 24 घंटे में समाधान करने का कहा लेकिन नही हुआ समाधान

माही की गूंज, झाबुआ/बामनिया

नई टेक्नोलॉजी आम जनता के लिए सहुलियत भरी है माना जाता है पर वह कितना बडा धोका हो सकता है यह अन्दाजा भी नही लगा सकते है। वर्तमान में डिजिटल युग में हर वस्तु घर बैठे मिल जाती है और भारत में पिछले कुछ वर्षो से ऑनलाइन व्यापार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है और यह ऑनलाईन लेन-देन करोड़ों रुपए में पहुंच चुका है। आमतौर पर यह माना जाता है कि, ऑनलाइन व्यापार में धोखाधड़ी नहीं होती है और जो चीज दिखाई जाती है लेकिन यह पुरा सच नही है। कई बार ऑनलाईन खरिदी में धोखाधड़ी की शिकायतें प्राप्त होती रहती है और मंगवाई गई वस्तु प्राप्त न होने पर उपभोक्ता को पता चलता है कि, वह ऑनलाइन ठगी का शिकार हो चुका है।

कुछ ऐसा ही वाक्या बामनिया निवासी रितेश जैन के साथ हुआ, जिन्होंने नामी कम्पनी फ्लिपकार्ट से ऑनलाइन शॉपिंग के माध्यम से लैपटॉप आर्डर किया था, जिसका आर्डर नंबर ओडी120741297923914000 था। ऑर्डर के समय एचपी वर्ड स्टोर से लैपटॉप को ऑर्डर किया गया था, लेकिन जब उन्हें लैपटॉप का बॉक्स मिला तो वह सेवेक्स टेक्नोलॉजी स्टोर नई दिल्ली का मिला। कंपनी के नियमानुसार लैपटॉप की संपूर्ण राशि ऑर्डर के समय ही 40 हजार 490 रूपए एडवांस खाते में आहरित कर ली गई थी, लेकिन जब बॉक्स खोला तो रितेश हतप्रभ रह गया, बॉक्स की पैकिंग खोलने पर अंदर पत्थर भरे मिले जिसका वीडियो भी पैकिंग खोलते समय बनाया गया, मय वीडियो फफके साथ तत्काल संबंधित कंपनी में शिकायत दर्ज कि तो, सबसे पहले कंपनी ने 6 दिनों में पैसा वापस लौटाने की बात कही, शिकार हुआ युवक कम्पनी की बातो से सन्तुष्ट नही हुआ तो पुलिस चौकी बामनिया में लिखित शिकायत के साथ उपभोक्ता फारम में आनलाइन शिकायत करने के बाद 48 घंटे जिसके बाद 24 घंटे में ही फ्लिपकार्ट कम्पनी ने पैसा वापसी करने की बात कही पर तीन दिन बित जाने के बाद भी आज तक कोई निकाल नामी व ऑनलाईन के नाम पर ठगी करने वाली फ्लिपकार्ट कम्पनी ने कोई निकाल नही किया।

यह तो अच्छा था कि, रितेश ने डिलीवरी के समय बॉक्स खोलने का वीडियो बनाया जिसे उन्होंने सबूत के तौर पर पेश किया है। उक्त मामले को देखते हुए यही सिख मिलती है कि, आनलाईन खरिदी में कभी धोखा हो सकता है इसलिए सोच-समझकर ही आनलाईन खरिदी करे नही तो ठगी से बचने के लिए अपने स्थाई व परिचीत दुकानो से सामान खरिदने की सिख देता है।

वयुआर कोड स्कैन कर देखे किस तरह से लेफ्टाप की जगह निकला पत्थर।

मुरैना शराब कांड का मुख्य आरोपित 23 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर

एजेंसी, मुरैना। जहरीली शराब कांड के मुख्य आरोपित मुकेश किरार को बागचीनी थाना पुलिस ने बुधवार को जौरा कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया है। पुलिस उससे जहरीली शराब बनाने और बेचने वालों के बारे में पूछताछ करेगी। छैरा-मानपुर क्षेत्र में जहरीली शराब बनाने का काम बड़े स्तर पर होता है और इसने 11 जनवरी से अब तक 8 से ज्यादा गांवों में 28 लोगों की जान ले ली है, जहरीली शराब कांड में बागचीनी थाने में मुकेश सहित 7 लोगों पर एफआइआर दर्ज हुई है, दो आरोपी रामवीर राठौर और पप्पू पंडित जहरीली शराब पीने से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हैं, मुख्य आरोपित मुकेश को दो दिन पहले पुलिस ने चेन्नई से गिरफ्तार किया।

जहरीली शराब से लगातार हो रही मौतों के बाद नवागत एसपी सुनील कुमार पाण्डेय ने सोशल पुलिसिंग पर जोर देना शुरू कर दिया है। पुलिस गांव-गांव में घूमकर लोगों को नशा नहीं करने और अवैध शराब की सूचना देने के लिए जागरूक कर रही है। इतना ही नहीं लोगों को समझा रही है कि, जो लोग शराब के आदी हैं वह आबकारी विभाग के लाइसेंसी ठेकों से ही शराब लें। बुधवार को कलेक्टर बी कार्तिकेयन और एसपी सुनील कुमार रंचोली गांव पहुंचे, जहां मंगलवार को जहरीली शराब से दो मौतें हुई थी, इसके अलावा छैरा, मानपुर और कांसपुरा गांव भी गए। वहां ग्रामीणों से कहा कि, जिन-जिन लोगों को अवैध शराब की सूचना है वे थानों को अवष्य सुचित करें। शराब जब्ती कराने वाले किसी भी व्यक्ति से कोई पूछताछ नहीं होगी, किसी को थाने जाने में डर है तो वह सरपंच, सचिव या पटवारी को भी शराब सुपुर्द कर सकता है।

कांग्रेस को दिया झटका, युवा कांग्रेस नेता शैरेंद्र सिंह चौहान ने ली भाजपा की सदस्यता

दिग्विजय सिंह के गढ़ में सिंधिया ने लगाई सेंध

सोशल मीडिया पर हरिवंश बाबा जाहिर कर चुके हैं थर्ड

[illegible]

मंत्री राम ठाकुर को वोटों में फायदेमंद कांग्रेस

[illegible]

पराक्रम दिवस के रूप में मनेगी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

[illegible]

नरोत्तम के बयान पर कांग्रेस का पलटवार- सरकार चलाएं, मुंह नहीं

[illegible]

प्रदेश व्यापी आंदोलन चला रही है कांग्रेस

[illegible]

किसानों को उग्र का अल्टीमेटम पैरवना चलाई है कांग्रेस

[illegible]

सिंधिया बनाम तोमर

ग्वालियर-चंबल अंचल में वर्चस्व की जंग

ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में जाने से ग्वालियर चंबल अंचल में वर्चस्व की लड़ाई छिड़ी हुई है। सिंधिया के सामने हैं केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर। दोनों का कार्यक्षेत्र एक ही है। दोनों में इस पैमाने में दोनों अपने वर्चस्व को बढ़ाने में लगे हैं।

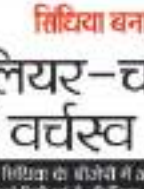

[illegible]

मुरैना शराब पीड़ितों से दूर क्यों रह गए शिवराज?

मुरैना हादसा वाकई में 25 लोगों की जान जाने के बाद मंत्रियों का मुरैना पहुंचने का सिलसिला जारी है। लेकिन मुरैना में शिवराज सरकार गायब है। मुख्यमंत्री नहीं पहुंचे, गृहमंत्री भी नहीं गए तो ऐसे वक्त कि जोधुं भी नंगे नहीं पहुंचा, इसलिए ज्योतिरादित्य सिंधिया और राहुल गांधी जैसे सिंह तोमर जैसा मुरैना के पीड़ितों से मिलने पहुंचे...अब जानकार ये भी लगाकर जा रहे हैं कि शिवराज का न पहुंचना और तोमर-सिंधिया का मुरैना जाना सीधा शिवराज को लिए चोट संकेत है ?

[illegible]

शराब माफियाओं ने पुलिस टीम पर किया हमला

माही की गूंज, राजगढ़।

जिले में अवैध शराब माफियाओं पर कार्रवाई करने के लिए गई पुलिस टीम पर शराब माफियाओं ने पथराव कर हमला बोल दिया, जिसमे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, वही पुलिस ने अपने बचाव के लिए 15 आंसू गैस के गोले छोड़े।

दरअसल मुरैना जिले में कुछ दिनों पहले जहरीली शराब पीने से 21 लोगो की मौत हो गई थी जिसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शराब माफियाओं पर कार्रवाई करने के आदेश दिए। इसी को लेकर राजगढ़ एसपी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर एसडीओपी जोइस दास ने राजगढ़ जिले के पचोर के वार्ड क्रमांक 9 कंजरपुरा में अवैध शराब माफियाओं पर भारी पुलिसबल के साथ अवैध शराब माफियाओं पर कार्रवाई की। जैसे ही पुलिस गांव पहुंची, गांव के बाहर ही शराब माफियाओं ने पुलिस टीम पर गुलेल चलाकर हमला कर दिया, गुलेल से फेके गए पत्थरो से पचोर थाने के दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस ने अपने बचाव में 15 आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके बाद कंजरपुरा मे बड़ी सख्या में पुलिस बल ने पहुंचकर गांव मे चल रहे अवैध शराब माफियाओं के ठिकानों पर जेसीबी मशीन चलाकर 12 लाख 50 हजार की अवैध शराब बनाने की सामग्री को नष्ट कर दिया, वही पुलिस पर पथराव करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया, पुलिस ने 1 मोटरसाईकल सहित दर्जनों खाली टंकीया जब्त की।

दुकान बनाकर कमाने के चक्कर में पंचायत भूली राष्ट्र सम्मान

मुख्य्य चौराहे की शान ध्वज स्तंभ चढ़ा पंचायत की भ्रष्ट पिपासा की भेंट

मार्केट निर्माण के बाद लोगो के सवाल पूछने पर बनाया झंडा वंदन स्तम्भ, मार्केट की नाली की पाइप भी स्तम्भ में।

कभी यहां हुआ करता था ध्वज स्तम्भ।

स्तम्भ तोड़ने के बाद ऐसे लोहे के स्टैंड पर फहराया तिरंगा।

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

राष्ट्रहित और राष्ट्रभक्ति का दावा करने वाली भाजपा की भाजपा समर्थित पंचायत का काला चेहरा सामने आया है, ग्राम बामनिया की भाजापा समर्थित पंचायत की बॉडी ने अपनी पैसों की भ्रष्ट पिपासा शांत करने के लिए ग्राम के मुख्य चौराहे पर कभी नगर की शान होने वाले ध्वज स्तंभ (ध्वजा रोहण का स्थान) को तोड़कर उस स्थान पर दुकान निर्माण कर दिया। मुख्य चौराहे पर पंचायत द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का पालन किए बिना बनाए अवैध मार्केट के स्थान पर कभी ध्वज स्तंभ हुआ करता था, जहां ग्राम की वर्षो से चली आ रही परंपरा अनुसार ग्रामवासियों सहित ग्राम की सभी शासकीय स्कूलों के बच्चे इस ध्वजा रोहण स्थान पर खड़े होकर राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत होते थे। हालांकि इस वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर कोरोना काल के बाद मुख्य चौराहे पर झंडा वंदन होगा, सब कुछ वेसा ही होगा जैसा होता आया है लेकिन कभी चौराहे की शान रहा ध्वज स्तंभ नही रहेगा, क्योकि उस स्थान को तोड़कर पंचायत ने दुकाने बना दी है, अब झंडा वंदन के लिए अस्थाई स्तंभ बनाना होगा।

पहले अवैध अतिक्रमण हटवाया, फिर अवैध दुकाने बनाकर करवा दिया अतिक्रमण

मुख्य चौराहे पर अस्थाई रूप से किए अतिक्रमण को ट्रैफिक और जामजन की समस्या से निपटने के लिए कांग्रेस सरकार की छेड़ी गई अतिक्रमण मुहिम की आड़ में हटा दिया गया था, लेकिन पंचायत की मंशा इसके पीछे नगर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की नही बल्कि अस्थाई अतिक्रमण को स्थाई अतिक्रमण में बदलकर पैसा बनाने की थी थी, जिसके तहत योजनाबद्ध तरीके के अतिक्रमण के नाम पर दुकानदारो को हटाया गया और फिर उन्ही पर दुकान नही मिलने का डर बनाकर लाखो की वसूली कर उन्ही कब्जाधारी दुकानदारो को दुकाने आवंटित कर दी गई।

मामाजी की मूर्ति लगाने की थी मांग, नया ध्वज स्तंभ बन सकता था चौराहे की शान

चौराहे से अतिक्रमण हटने के बाद समाजवादी चिंतक और स्वत्रंता सेनानी मामा बालेश्वर दयाल के अनुयाइयों ने उक्त स्थान पर छोटा बगीचा बनाकर मामा जी की मूर्ति लगाने की मांग की थी, ताकि जिन मामा जी के करण ग्राम की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हुई है उनको सम्मान दिया जा सके और मामा जी की पुण्यतिथि सहित वर्ष भर में मामा जी के भील आश्रम पर आने वाले उनके अनुयायी भी ग्राम के मुख्य चौराहे पर लगी मूर्ति पर आशीर्वाद ले सके, लेकिन ग्राम पंचायत ने केवल अपने स्वार्थ पूर्ति का कार्य करते हुए अपनी काली कमाई करने के लिए गरीब दुकानदारों को दुकान देने के नाम पर अवैध मार्केट खड़ा कर दिया।

निर्माण के दौरान ध्वज स्थल के लिए किया था आश्वस्त लेकिन ही बनाया नही

दुकान निर्माण के समय जागरूक नागरिकों ने मुख्य चौराहे के ध्वज स्थल को नया बनाने की मांग रखी थी जिस पर ग्राम पंचायत और उससे जुड़े करीबियों ने लोगों को आश्वस्त किया था कि, यहां वही ध्वजारोहण का नया स्थल बनाया जाएगा। लेकिन शायद एक दुकान पर मिलने वाली राशि इतनी अधिक थी कि, रातोरात पंचायत ने दुकान खड़ी कर दी। लोगो ने जब इस बात को लेकर पंचायत की खिंचाई की तो मार्केट की एक दुकान के आगे घटिया ध्वज स्थल बना दिया, जिस पर नाली का पाइप भी लगा हुआ है जिससे भाजपा समर्थित पंचायत की राष्ट्रभक्ति और ग्राम की धरोहर को संजोए रखने की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे है।

एसपी श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ एसपी विपुल श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया इसके साथ ही पुलिसकर्मियों ने हेलमेट पहनकर वाहन रैली निकाली जिसमें हेलमेट पहनने व सुरक्षा का संदेश भी दिया। वाहन रैली की शुरुआत अलीराजपुर में पुलिस कंट्रोल रूम हुई, जो शहर के कई मार्गों से होते हुए कन्ट्रोल रूम पर आकर समाप्त हुई, वहीं इस हेलमेट रैली में पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट पहनना कितना जरूरी है, इसका संदेश भी दिया।

यातायात सुभाष सतपड़िया ने बताया कि, सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम में एक महीने तक अलग-अलग दिनों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें नुक्कड़ नाटक, बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम होंगे, जिसके चलते सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम में लोगों को सड़कों पर चलते समय किन-किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए, इसके बारे में भी बताया जाएगा। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिट्टू सहगल, एसडीओपी धीरज बब्बर, टीआई दिनेश सोलंकी, यातायात प्रभारी शुभाष सतपाड़ीया, आरआई चेतनसिंह बघेल, आरटीओ वीरेंद्र सिंह सहित पुलिस जवान मौजूद रहे।

थाना परिसर में होगा पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर शुरू

माही की गूंज, पेटलावद।

पुलिस को तनाव से उभारने और योग को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार आयुष मंत्रालय के तहत एक योजना तैयार की गई है, जिसके तहत सभी पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और अन्य आमजन के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए यह स्कीम तैयार की गई है इसलिए पुलिस थाना पेटलाद में निःशुल्क पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। योग शिविर का आयोजन 19 जनवरी से 23 जनवरी तक किया जाना है, सुबह 7 बजे से लेकर 8 बजे तक पुलिस थाना पेटलावद के थाना प्रभारी सहित समस्त स्टाफ योग के माध्यम से अपने आपको फिट और तनाव से दूर रखने की कला सीखेंगे।

थाना प्रभारी संजय रावत ने बताया कि, यदि कोई योग में रुचि रखता हो तो वो भी समय पर थाना परिसर में आकर योग शिविर में शामिल हो सकता है।

राम मंदिर निर्माण में देखने को मिल रहा सौहार्द, मुस्लिम परिवार भी मंदिर निर्माण में दे रहे सहयोग राशि

माही की गूंज, पेटलावद।

दो सम्प्रदाय के बीच वर्षों से चली आ रही राम मंदिर की भूमि की कानूनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद समाप्त हो चुकी है, वर्षों तक दोनों मुख्य दल सहित कई संगठन मन्दिर और मस्जिद की लड़ाई को मुद्दा बनाकर मैदान में उतरते थे, लेकिन राम मंदिर की भूमि का निर्णय आने के बाद बहुत कुछ बदल गया है। वर्तमान में राम मंदिर निर्माण निधि को लेकर पूरे जिले में मुहिम चलाई जा रही है जगह-जगह वाहन रैली, चल समारोह निकाले जा रहे है लेकिन इस बार इस यात्राओ का अलग ही महत्व हो गया है। राम मंदिर को चुनावी मुद्दा बनाकर रखने वाली कांग्रेस के कार्यकर्ता भी अब इन रैलीयो में शामिल हो रहे है साथ ही यात्रा का स्वागत भी कर रहे है, दूसरी और निर्माण निधि के लिए निकाली टोलियों को मुस्लिम समुदाय के लोग भी सहयोग प्रदान कर सौहार्द की मिसाल पेश कर रहे है, कई जगहों से इस प्रकार की तस्वीरें सामने आ रही है।

कुछ दिनों पूर्व ही थांदला में भगवा यात्रा का बोहरा समाज ने भव्य स्वागत किया गया था। ऐसा ही ग्राम बामनिया में भी देखने को मिला जब राम मंदिर निर्माण निधि इकट्ठा करने के लिए राम भक्तों की टोली ग्राम में निकली और कांग्रेस के ब्लॉक महामंत्री कयूम शेख के पास पहुंची, हर प्रकार की धार्मिक गतिविधियों में सहयोग देने वाले कयूम शेख ने इस बार भी राम भक्तों को निराश नही किया और सभी शंका-कुशंका को ताक में रख मन्दिर निर्माण हेतु अपनी और से राशि अर्पण की, शोशल मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से जब ये जानकारी वायरल हुई तो लोगो ने इसकी प्रशंसा की।

बतादे कि, कयूम शेख भले ही मुस्लिम वर्ग से आते है और कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता है, लेकिन मुस्लिम धर्मावली सहित हिन्दू धर्मावली के आयोजनों में कभी पीछे नही रहे और हमेशा सहयोग किया, नगर के मुख्य चौराहे पर स्थित माता जी मंदिर पर रोज चढ़ने वाली माला भी उनकी और से होती है जिसका खर्च वे वर्षो से वहन कर रहे है।

कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के अगले दिन डॉक्टर कोरोना पॉजिटिव

माही की गूंज, देवास। जिला अस्पताल में सफाईकर्मियों और स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड टीका लगा, लिस्ट में डॉ. योगेश वालिंबे का भी नाम था, सुबह उन्होंने जिला अस्पताल में करीब 15 मिनट तक लाइन में खड़े होकर तीसरे नंबर पर कोरोना वैक्सीन लगवाई। जिसके एक दिन बाद देवास के नामचीन डॉक्टर योगेश वालिंबे कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं, उन्होंने एक दिन पहले ही कोविड वैक्सीन लगवाई थी, वह पहले से बीमार चल रहे थे, टीका लगवाने के एक दिन बाद रात उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, प्रोटोकॉल के मुताबिक डॉ. वालिंबे का कोरोना टेस्ट हुआ और उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव निकली, साथ ही डॉक्टर की पत्नी भी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं।

डॉ. वालिंबे सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारियों से मिले थे

जिला अस्पताल में वैक्सीन लगवाने के बाद वह आधे घंटे तक ऑब्जर्वेशन में भी रहे, इससे पहले डॉ. वालिंबे देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक गायत्री राजे पंवार, कलेक्टर चंद्रमौलि शुक्ला समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिले थे।

डॉ. के कोरोना संक्रमित हाने के बाद प्रशासन सक्रिय

उनके कोरोना संक्रमित होने के बाद देवास प्रशासन सक्रिय हो गया है और डॉ. वालिंबे के कॉन्टैक्ट में आए लोगों को ट्रेस करने में लगा है। देवास सीएमएचओ डॉ. एमपी शर्मा ने बताया कि, डॉ. वालिंबे की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आई है, हमने उनसे संपर्क में लोगों की लिस्ट मांगी है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश वालिंबे (60) इंदौर रोड अग्रोहा नगर में रहते हैं, यहीं उनका प्राइवेट क्लीनिक है, वह अपनी क्लिनिक में रेगुलर प्रैक्टिस करते हैं।

15 संकूल के बीच सिर्फ तीन प्राचार्य बाकी संस्थाएं प्रभारियों के भारोसे

विशेष विषय के शिक्षकों को दे रखा प्रभार, बीआरसी के अंतर्गत भी जन शिक्षक बने शिक्षकों में भी ये ही आलम

माही की गूंज, पेटलावद।

निजी स्कूलों के प्रति आम लोगो की रुचि का एक बड़ा कारण सरकारी शिक्षा व्यवस्था में फैली अव्यवस्था भी है, सरकारी संस्थाओं के संचालन के लिए पर्याप्त व्यवस्था नही होने के कारण एक बड़ा वर्ग सरकारी स्कूलों से दूरी बनाए हुए है, वही शिक्षा विभाग में फैले भ्रष्टाचार और अनियमित्ता के कारण बची-कुची व्यवस्था भी ध्वस्त हो चुकि है। बात करे पेटलावद विकास खण्ड की शिक्षा व्यवस्था की तो, यहां की स्थिति बेहत ही गंभीर हो चुकी है वर्तमान में पेटलावद विकास खंड में 15 संकुल केंद्र है लेकिन हाई स्कूल और हाई सेकेण्ड्री की व्यवस्था संभालने के लिए मात्र 3 ही प्राचार्य है, उसमे से भी एक और प्राचार्य आने वाले तीन-चार माह में रिटायर्ड होना है बाकी 12 संस्थाएं प्रभारी प्राचार्यो के भरोसे संचालित हो रही है। संस्था का प्रभार लेने वाले अधिकांश शिक्षक या तो व्याख्याता है या फिर वर्ग 1 के वरिष्ठ शिक्षक जो कि, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी जैसे विशेष विषयो के शिक्षक है, जो संस्था प्रमुख बनने के बाद शिक्षक की भूमिका में नही होकर प्राचार्य बनकर कार्य कर रहे है। जिससे पहले से गंभीर विषयो की कमी से जूझ रहे शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की कृतिम कमी हो गई, मूल प्राचार्यों की कमी के कारण संस्था प्रमुख के पद पर बैठकर माल कमाने की होड़ से मची हुई है इसलिए कई वरिष्ठ शिक्षक केवल संस्था का प्रभार लेने के लिए आवेदन करते है बल्कि अधिकारीयो पर राजनीतिक और आर्थिक दबाव तक बनाकर अपने मूल कार्य को छोड़ पैसा बनाने की जुगाड़ में लग जाते है।

बीआरसी के भी यही आलम, जनशिक्षक के पद पर भी ऐसे ही शिक्षक

कुछ ऐसा ही आलम माध्यमिक स्कूलों का भी है बीआरसी के अंतर्गत कुछ स्कूलों पर जनशिक्षक की व्यवस्था है लेकिन अधिकांश जनशिक्षक भी ऐसे ही विषयो के शिक्षकों को बना रखा है जो मुख्य विषयो के शिक्षक है, हालांकि जनशिक्षको को अपनी संस्था के साथ उनके क्षेत्र की जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है वहा भी बच्चों को पढ़ाना होता है, लेकिन जनशिक्षक बने शिक्षक किसी अधिकारी के रूप या फिर बीआरसी और बीईओ के एजेंट की तरह काम करते है। पहले से माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है ऐसे में जनशिक्षक बने शिक्षको का उपयोग केवल जानकारी तक सीमित न होकर स्कूलों में पढ़ाई करवाने के लिए होना चाहिए जो कि, अधिकारियो की अनदेखी के कारण नही हो रहा जिसके परिणाम कई अच्छी स्कूलों को भुगतना पढ़ रहे है जहां दर्ज बच्चों की संख्या काफी ज्यादा है।

जिसको कार्य मुक्त होना था उसको दिया चार्ज

गूंज की खबर का असर होता दिख रहा है, जामली में प्राचार्य पद के लिए कई शिक्षक सेटिंग में लगे थे लेकिन अधिकारियो ने सीनियर शिक्षक को संस्था का प्रभार दिया है, दूसरी और विभाग अपनी गलती सुधारने को अभी भी तैयार नही कन्या पेटलावद में सीनियर शिक्षक को चार्ज देने के बजाए जूनियर लता असोलिया को प्रभारी प्राचार्य बनाया, जबकि लता असोलिया का प्रशासनिक स्थान्तरण भोपाल से हो चुका है अब जिसे कार्यमुक्त होना था उसे ही कार्यमुक्त करने की कुर्सी पर बिठा दिया है, कहा जा सकता है कि, जिले के अधिकारी सरकार के निर्णय से अपने आप को ऊपर समझ रहे है। मॉडल स्कूल के प्रभारी प्राचार्य हिरजी निनामा जो कि, गणित जैसे महत्त्वपूर्ण विषय के शिक्षक है पेटलावद विकास खण्ड में आने के बाद से प्राचार्य बने हुए है उनकी मूल संस्था बरवेट जैसे ग्रामीण क्षेत्र की स्कूल के बच्चे गणित विषय के लिए अतिथि शिक्षकों के भरोसे पढ़ाई कर रहे है, बरवेट संस्था प्रमुख नितिन परमार से जब हिरजी निनामा को मुक्त नही करने के कारण पूछे तो उनका कहना है कि, वो खुद अभी छुट्टी पर है और आने के बाद अधिकारीयो के दिशा निर्देश के अनुसार निनामा सर को कार्यमुक्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करूंगा। वही बीईओ गुप्ता भी अंगद के पैर जमाकर अभी भी यही टिके हुए है और अपना स्थान्तरण रुकवाने की जुगाड़ में लगे हुए है। अधिकारी इस पद के लिए उचित अधिकारी नही होने के बात कर मामले को टालकर बहार से स्थान्तरण होकर अधिकारी के आने का इंतजार कर रहे है। कहा जा सकता है पेटलावद विकास खण्ड की पूरी शिक्षा व्यवस्था का भट्ठा अधिकारीयो की मनमानी और लापरवाही ने बिठा दिया गया है।

श्री सांचल सोनाणा तीर्थ धाम पर हुआ भोजनशाला और धर्मशाला का भूमिपूजन

माही की गूंज, बामनिया। पेटलावद रोड स्थित प्रसिद्ध श्री सांचल सोनाणा तीर्थ धाम पर भोजनशाला और धर्मशाला निर्माण की भूमि का भूमिपूजन पं. भगवती प्रसाद शर्मा ने करवाया, विधिविधान से पूजन के बाद सभी ट्रस्टियों ने गेंती चलाकर महूर्त किया गया। उक्त निर्माण के लिए मेघनगर निवासी जिनेंद्र रणजीतसिंह बाफना परिवार ने 50 बॉय 70 की भूमि श्री सोनाणा खेतलाजी भेरूजी ट्रस्ट को दान स्वरूप प्रदान की गई, जिस पर 21 कमरें, पालना हॉल और भोजनशाला का निर्माण होगा ।

इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक व तीर्थ के गादीपति विवेक लुणावत, सच्चियाय माताजी के परम भक्त अंकित भटेवरा, ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल वागरेचा, मुख्य परामर्शदाता भंवरलाल बाफना, सचिव पंकज जैन, सहसचिव प्रवीण मेलिवार, उपाध्यक्ष सुभाष तातेड़, अतिथि जिनेंद्र बाफना, मीडिया प्रभारी मयंक बाफना, पं. मदनलाल शर्मा, पंकज मेहता, निलेश कुमावत, रंजन तातेड़, दीपक तातेड़, सोहनलाल जैन, पवन राठौर, लोकेंद्र परमार, भगवानसिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

गणतंत्र दिसव की गरिमा पर कोरोनो से सामान्य चीजें टली

कोरोना काल में बहुत सी सामान्य चीजें टली हैं। इसलिए अगर इस बार गणतंत्र दिवस में कोई मुख्य अतिथि नहीं आ रहा है, तो इसे इस काल के तकाजे के रूप में लिया जा सकता था। लेकिन ऐसा तब होता, जब ये फैसला भारत सरकार की तरफ से किया गया होता। हकीकत यह है कि भारत सरकार ने हाई प्रोफाइल गेस्ट बुलाने की पुरजोर कोशिश की। आरंभिक घोषणा के मुताबिक उसे सफलता भी मिली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन गणतंत्र दिवस समारोह में आएंगे, इसकी बाकायदा घोषणा हुई। लेकिन जॉनसन ने कोरोना महामारी की बात कहकर अपनी यात्रा रद्द कर दी। अब ये कयास का विषय है कि सचमुच उन्होंने कोरोना के कारण आना टाला, या इसके पीछे दूसरी वजहें भी हैं। गौरतलब है कि ब्रिटेन में भारत के किसान आंदोलन को लेकर वहां के सांसदों और सिविल सोसायटी कार्यकर्ताओं ने मजबूत अभियान चलाया है। ब्रिटिश संसद में इस मुद्दे पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री जॉनसन से यह मांग की गई कि वे किसानों का मुद्दा भारत सरकार के सामने उठाएं। यह मांग भी की गई कि अगर किसान आंदोलन जारी रहता है, तो वे अपनी भारत यात्रा रद्द कर दें। फिर इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बीते हफ्ते ब्रिटिश संसद में कश्मीर मसले और भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों के कथित हनन के मुद्दे पर चर्चा हुई। मान लिया जाए कि इन सबका जॉनसन की यात्रा रद्द होने से कोई संबंध नहीं है, तब भी ये मुद्दा अहम है कि भारत की वैश्विक छवि इस समय क्या है। कुछ रोज पहले पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एमके नारायणन ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में दुख जताया कि आज वैश्विक मामलों में भारत की कोई आवाज नहीं रह गई है। भारत उन मसलों पर क्या सोचता है, इसकी परवाह कोई नहीं करता। आखिर ऐसा क्यों और कैसे हुआ? इस प्रश्न पर देश में गंभीर और विस्तृत चर्चा की जरूरत है। ये दीगर बात है कि जब मेनस्ट्रीम मीडिया किसी और एजेंडे से चल रहा हो, ऐसी बातें आम तौर पर दब कर रह जाती हैं। फिर लोगों को वही मालूम होता है, जो सरकार बताना चाहती है। तो लोगों को यही मालूम होगा कि इस बार कोई अतिथि नहीं आएगा। पिछले पांच दशकों में यह पहला मौका होगा, जब ऐसा होगा। ऐसा इसके पहले आखिरी बार ऐसा 1966 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के निधन के कारण भारत ने किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को आमंत्रण नहीं भेजा था।

चाणक्य नीति

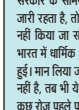

जो उद्यमशील हैं, वे गरीब नहीं हो सकते, जो हरदम भगवान को याद करते है उनहे पाप नहीं छू सकता। जो मौन रहते है वो झगड़ों मे नहीं पड़ते। जो जागृत रहते है वो निर्भय होते है।

एक सलाह

गिरते हुए पत्ते सबसे बड़ा उदाहरण है कि बोझ बन जाओगे तो अपने भी गिरा देंगे।

काम की बात

खुद को कभी बेकार मत समझना क्योंकि आपके छोड़े हुए कार्बन डाइआक्साइड से ही तो पेड़ जिंदा है।

राजनेताओं ने वैक्सीन से परहेज क्यों किया...?

ओमप्रकाश मेहता
लेखक

हर समय हर मामले में सब को पीछे ढकेलकर बिना अपनी बारी के आगे आने वाले हमारे आधुनिक कर्णधार राजनेता कोरोना वैक्सीन लगाने के मामले में अपनी बारी का बहाना बनाकर पीछे क्यों रह रहे है, यह रहस्य किसी के भी समझ में नहीं आ रहा है, जो नेता इस वैक्सीन को किसी हानि या ''ऑफ्टर इफैक्ट'' विहीन बताते नहीं थक रहे थे स्वयं इस वैक्सीन से दूरी बनाकर रख रहे है, यह कहां तक उचित कहा जा सकता है? क्या यह अच्छा होता राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री जी तथा राज्य स्तर पर मुख्यमंत्रीगण पहली वैक्सीन लगवाकर देश तथा राज्यों में इस अभियान की शुरूआत करते, किंतु शुरू से ही इस अभियान की योजना ही ऐसी तैयार की गई जिसके तहत पिछले एक साल से स्वास्थ्य सेवा में अपने आपके जीवन को समर्पित कर देने वाले वर्ग को प्राथमिकता की सूची में सबसे ऊपर खड़ाकर दिया गया, इनके बाद दूसरे वर्ग में पचास वर्ष की उम्र से अधिक वाले श्रेष्ठी वर्ग या बुजुर्गों को रखा गया और फिर तीसरे क्रम पर सामान्य वर्ग को रखा गया जिसमें राजनेतागण भी शामिल हो गए, क्या यह कुछ अजीब नहीं लग रहा कि अपने आपको देश में सर्वोपरी मानने और मनवाने वाले राजनेता आज इस स्वास्थ्य रक्षक अभियान में जानबूझकर सबसे पीछे पंक्ति में खड़े हो गए है, यह उनकी कथनी और करनी में अंतर क्यों? इस वैक्सीन की खासीयत गिनाने वालों ने ही इसकी खासीयत की उपेक्षा की और स्वयं को इससे दूर रखा? यह इस देश और उसके वासियों के साथ कैसा न्याय है? क्या उनके दिल-दिमाग में इस वैक्सीन को लेकर कोई शंका या संदेह था?

खैर, जो भी हो! किंतु इसमें कोई दो राय नहीं कि यह वैक्सीन जैसे कि त्रैता युग में हनुमान जी द्वारा लक्ष्मण जी का जीवन बचाने के लिए लाई गई संजीवनी बूटी कहा जा रहा है, यह संजीवनी तो तब साबित होगी, जब इसके दोनों डोज दे दिए जाएगें और देश से कोरोना की विदाई हो जाएगी? वैसे समग्र रूप से देखा जाए तो पूरे देश के डेढ़ सौ करोड़ नागरिकों को यह वैक्सीन लगाना कोई सरल कार्य नहीं है, देश में इस वैक्सीन के शुरूआती दिन केवल दो लाख लोगों को ही यह टीका लग पाया तो अंदाजा लगा लीजिए कि डेढ़ सौ करोड़ लोगों को यह टीका कब तक लग पाएगा, पूरे देश में तीस करोड़ स्वास्थ्य एवं सफाई कर्मी है, प्राथमिकता में उन्हें टीका लगना है, दोनों तरह की वैक्सीन का उत्पादन भी फिलहाल इतना नहीं है कि इस कार्य में शीघ्रता की जा सके फिलहाल जुलाई तक यदि पहला चरण पूर्ण हो जाता है तो वह भी बहुत बड़ी बात व सरकार की सबसे बड़ी सफलता होगी? वैसे फिलहाल ये वैक्सीन सिर्फ उम्मीद की किरण के रूप में ही देखी जा रही है, क्योंकि विश्व का कोई भी वैज्ञानिक आज तात्र ठोंक कर यह कहने की स्थिति में नहीं है कि ये वैक्सीन ही कोरोना का सफलतम बचाव है, अभी सिर्फ कोरोना के घटाटोप में वैक्सीन का लड्डू मारा जा रहा है।

.....और फिर सबसे बड़ी बात यह है कि वैक्सीन के उपयोग को लेकर आम हिचकिचाहट भी दूर नहीं हो पाई है, इस ''आम'' में चूंकि हमारे राजनेता भी शामिल हो गए है, इसलिए वैक्सीन को लेकर आम आशंका कम नहीं हो पा रही है, यदि हमारे ये आधुनक कर्णधार आगे आकर सबसे पहले इसका उपयोग करते तो इस वैक्सीन को लेकर फैलाई गई आम भ्रांति भी खत्म हो गई होती? फिर सबसे अहम् सवालिया भ्रांति इस वैक्सीन की कीमत को लेकर भी है, केन्द्र या राज्य सरकार अपने खर्च पर आम जनता को निःशुल्क यह टीका लगाने को तैयार नहीं है और इस टीके को ''ट्रायल'' बताने वाली निर्माता कम्पनियां इसकी भारी कीमत वसूल रही है, इस तरह इस वैक्सीन के उपयोग के साथ इसकी कीमत को लेकर भी भारी भ्रांति फैली हुई है, जिसे सरकार ने दूर करने का प्रयास नहीं किया है।

इस प्रकार कुल मिलाकर सरकार ने जिस अभियान की बढ़ चढ़कर प्रशंसा की और इसके सायें में देश को कोरोना से सुरक्षित बताया, उसी के बारे में व्याप्त भ्रांतियों को दूर नहीं किया, अभी भी समय है इस अभियान की सर्वांकृष्ट सफलता के लिए सरकारों को पूरे देश में यह टीका निःशुल्क लगवाना चाहिए और राजनेताओं को आगे आकर एक अच्छा व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

मुसीबत में है, व्हाट्साप

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

आजकल व्हाट्साप को दुनिया के करोड़ों लोग रोज इस्तेमाल करते हैं। वह भी मुफ्त! लेकिन पिछले दिनों लाखों लोगों ने उसकी बजाय 'सिग्नल', 'टेलीग्राम' और 'बोटिम' जैसे माध्यमों की शरण ले ली और यही क्रम कुछ महिने और चलता रहता तो करोड़ों लोग 'व्हाट्साप' से मुंह मोड़ लेते। ऐसी आशंका इसलिए हो रही है कि व्हाट्साप की मालिक कंपनी 'फेसबुक' ने नई नीति बनाई है जिसके अनुसार जो भी संदेश व्हाट्साप से भेजा जाएगा, उसे फेसबुक देख सकेगा याने जो गोपनीयता व्हाट्साप की जान थी, वह निकलने वाली थी। व्हाटसाप की सबसे बड़ी खूबी यही थी और जिसका बखान उसे खोलते ही आपको पढ़ने को मिलता है कि आपकी बात या संदेश का एक शब्द भी न कोई दूसरा व्यक्ति सुन सकता है और न पढ़ सकता है। यही वजह थी कि देश के बड़े-बड़े नेता भी आपस में या मेरे-जैसे लोगों से दिल खोलकर बात करना चाहते हैं तो वे व्हाट्साप का ही इस्तेमाल करते हैं।

इसका दुरुपयोग भी होता है। आतंकवादी, हत्यारे, चोर-डकैत, दुराचारी और भ्रष्ट नेता व अफसरों के लिए यह गोपनीयता वरदान सिद्ध होती है। इस दुरुपयोग के विरुद्ध सरकार 'व्यक्तिगत संवाद रक्षा कानून' ला रही है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता की रक्षा तो करेगा ही लेकिन संविधान विरोधी बातचीत या संदेश को पकड़ सकेगा। मैं आशा करता हूं कि इस महत्वपूर्ण कानून को बनाते वक्त हमारी सरकार और संसद वैसी लापरवाही नहीं करेगी, जैसी उसने कृषि-कानूनों के साथ की है।अभी भी व्हाट्साप पर स्वास्थ्य-जांच रपटें, यात्रा और होटल के विवरण तथा व्यापारिक लेन-देन के संदेशों को भेजने की खुली व्यवस्था है। 'फेसबुक' चाहती है कि 'व्हाट्साप' की समस्त जानकारी का वह इस्तेमाल कर ले ताकि उससे वह करोड़ों रुपए कमा सकती है और दुनिया के बड़े-बड़े लोगों की गुप्त जानकारियों का खजाना भी बन सकती है। व्हाटसाप इस नई व्यवस्था को 8 फरवरी से शुरु करने वाला था लेकिन लोगों के विरोध और क्रोध को देखते हुए उसने अब इसे 15 मई तक आगे खिसका दिया है।

फेसबुक को व्हाट्साप की मिल्कियत 19 अरब डालर में मिली है। वह इसे कई गुना करने पर आमादा है। उसे पीछे हटाना मुश्किल है लेकिन 'यूरोपियन यूनियन' की तरह भारत का कानून इतना सरल होना चाहिए कि नागरिकों की निजता पूरी तरह से सुरक्षित रह सके लेकिन मेरा अपना मानना यह है कि जिन लोगों का जीवन खुली किताब की तरह होता है, उनके यहाँ गोपनीयता नाम की कोई चीज ही नहीं होती। वे किसी फेसबुक से क्यों डरें ?

कृषि कानूनः न तेरी जय न मेरी जय?

प्रभुनाथ शुक्ल

सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार कृषि कानूनों पर रोक लगा दिया। जब तक जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट अदालत को नहीं सौंपती है तब तक इस पर रोक जारी रहेगी। किसान आंदोलन पर सुप्रीमकोर्ट ने सरकार को खरी- खरी सुनाई है। अदालत की यह तल्खी और नाराजगी सरकार की सांसत बढ़ा दिया है। निश्चित रूप से सरकार ने अड़ियल रुख अपना कर किसान आंदोलन को बेदम करना चाहती थी। सरकार खुले मन से इस विचार नहीं करना चाहती थी। केंद्रीय कृषिमंत्री नरेन्द्र तोमर और उनके साथ सहयोगी मंत्री किसान संगठनों की बैठक में खुले मन से भाग लेते थे लेकिन वह कानून को खत्म करना चाहती थी। जबकि किसान भी डेढ़ माह से जिद पर अड़े थे जिसकी वजह से बात नहीं बन पाई। सरकार और किसानों के बीच नौ चक्र की वार्ता के बाद भी बात नहीं बन पाई। जिसके बाद सुप्रीमकोर्ट ने दाखिल कई याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाते हुए नए कृषि कानून को होल्ड कर दिया है।

अदालत ने सरकार की नाकामियों को लेकर जिस तरह की लताड़ लगाई सरकार को उसकी उम्मीद नहीं रही होगी। अदालत ने साफ कर दिया है कि कृषि कानूनों को सरकार होल्ड करे या वह खुद ऐसा कर देगी। सुप्रीमकोर्ट ने सरकार को अब वक्त नहीं देना चाहती थी। कृषि कानूनों पर सरकार के अड़ियल रुख पर अदालत ने कड़ी फटकार लगाई है। अदालत का संदेश साफ था कि सरकार कृषि कानूनों पर रोक नहीं लगाती है तो कोर्ट खुद रोक लगा देगा। अदालत के इस नजरिये से मोदी सरकार के लिए मुशिकलें खड़ी हो सकती है। अभी जिस बिल को वह सियासी जय और विपक्ष की पराजय के रुप में देखती रही है उसका यह गुब्बार धड़ाम हो जाएगा।

अदालत आंदोलन के दौरान किसानों की आत्महत्या और मौत को लेकर भी गम्भीर है। अदालत दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सरकार और किसानों के मध्य आम गम्भीरता का रास्ता चाहती है। इसी लिए वह कृषि बिल को होल्ड रखने के लिए सरकार से कह रहीं थी। जबकि सरकार के लिए यह करना मुमकिन नहीं था जिसकी वजह से अदालत को ही कानून पर रोक लगानी पड़ी। अदालत का कहना था कि जब तक समिति काम करेगी तब तक बिल को निलम्बित रखा जाए। जबकि सरकार किसानों की कुछ मांगों को छोड़ कर बिल को यथावत रखना चाहती है। सरकार किसान आंदोलन को नजरंदाज कर विपक्ष को यह संदेश देना चाहती है कि वह जो चाहेगी वहीं करेगी। लेकिन सरकार की मुश्किल बढ़ती लगती है।

किसान आंदोलन को लेकर मीडिया की भूमिका बेहद आलोचनात्मक रहीं है। दिल्ली की गाजियाबाद सीमा में जिस तरह किसान डटे हैं उस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहाँ उपलब्ध सुविधाओं पर भी तल्ख टिप्पणी हो रहीं है। कहा जा रह है कि यह किसान नहीं हैं नए कानून से मण्डियां खत्म होने आढ़ती आंदोलन कर रहे हैं। किसान इतना कहां से संमृद्ध हो गया। टेंटसिटी बसाने के लिए फंडिंग कौन कर रहा है। वाशिंग मशीन, ठंड के कपड़े, कॉफी, पिज्जा और बर्गर समेत अत्याधुनिक ओडी कारें जैसी सुविधाएं कहां से आ रहीं हैं। इसका क्या मतलब लोग किसान को गरीब ही बनाएं रखना चाहते हैं। किसान क्या संमृद्ध नहीं हो सकता। अगर उसे यह सुविधाएं मुहैया कराई जा रहीं हैं तो क्या गुनाह है। आंदोलन को वामपंथ, कांग्रेस और आढ़तियों के साथ जोड़ कर प्रचारित किया जा रहा है।

सुप्रीमकोर्ट इस गतिरोध को दूर करना चाहता है

कमेटी गठित कर सरकार और किसान संगठनों से बातचीत के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना चाहता है। उसके बाद उसी आधार पर बिल की समीक्षा करना चाहता है। अदालत अब तक सरकार की तरफसे उठाए गए कदम से संतुष्ट नहीं है। उसने साफ कहाँ है कि वह न कानून को खत्म करना चाहती है और न प्रदर्शन को बंद करना चाहती है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को आंदोलन स्थल से कड़ाके की ठंड देखते हुए हटाना चाहती है।

सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने साफ कहा था कि हम सुनवाई बंद कर रहे हैं अब आदेश पारित होगा।आखिरकार अदालत ने कानून रोक लगा दिया। सरकार पर सख्त रुख दिखाते हुए कोर्ट ने कहा है कि सरकार इतने संवेदशील मुद्दे को गम्भीरता से नहीं सम्भाला पाई। अदालत की तल्खी देखते हुए किसान संगठनों के वकील दुष्यंत दवे ने साफ कर दिया है कि किसान 26 जनवरी को ट्रैक्टर मार्च नहीं करेंगे। सीजेआई ने समय माँगने पर अटॉर्नी जनरल को भी खरी- खरी सुनाई। अदालत की तरफ से सुनाए गए फैसले के बाद सवाल उठता है कि क्या किसान सरकार और अदालत की बातें मान जाएंगे। जबकि किसानों ने कहा है कि बैठक में प्रधानमंत्री को भी आना चाहिए लेकिन अदालत ने साफ कर दिया है कि हम प्रधानमंत्री की बैठक में आने के लिए नहीं कर सकते हैं। ऐसे हालात में बात कैसे बनेगी। किसानों ने कहा है कि हम चार सदस्यीय कमेटी के सामने पेश नहीं होंगे। उस पर अदालत ने कहा कि जब आप सरकार और संगठनों के बीच हुई मीटिंग में शामिल हो सकते हैं तो कमेटी के सामने क्यों नहीं पेश हो सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने निश्चित तौर पर उचित सवाल उठाया है।किसानों को मीटिंग में शामिल होना ही पड़ेगा। सवाल उठता है कि किसान और सरकार मामले को हल करना चाहते हैं या केवल इस पर सियासत करना चाहते हैं। सुप्रीमकोर्ट की तरफ से गठित चार सदस्यीय समिति सभी पक्षों को सुनने के बाद अपनी रिपोर्ट कोर्ट को देगी। अदालत ने पूरी पारदर्शिता अपनाते हुए ना तो सरकार का न तो किसान संगठनों की तरफसे किसी प्रतिनिधि को समिति में रखा है। जिन सदस्यों को रखा गया है वह अपने अपने क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ है। इसलिए अदालत की निष्पक्षता और पवित्रता पर सवाल नहीं उठाए जा सकते हैं। कृषि कानूनों पर राजनीति करनी है तो यह बात यह बात दीगर है।

एक लोकतांत्रिक सरकार को हमेशा से विपक्ष के प्रस्ताव पर भी विचार करना चाहिए। सरकार इस बिल को वापस नहीं लेना चाहती है हालांकि अब मामला कोर्ट के पाले में चला गया है। अब देखना है कि कोर्ट इस पर क्या फैसला देता है। अदालत समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर वह फैसला सुनाएगी। अब वक्त आ गया है जब कृषि कानूनों पर राजनीति बंद होनी चाहिए। खुले मन से सरकार और किसान संगठनों को अदालत के निर्णय का सम्मान करना चाहिए। सरकार को भी लोकतंत्र में विपक्ष नामक संस्था का सम्मान करना चाहिए। हालांकि आजकल विपक्ष की भूमिका भी पूरी तरह राजनीतिक हो गई है। सरकार विरोध सिर्फ उसने एजेंडा बना लिया है।अदालत ने साफकर दिया है कि आप अड़चनें पैदा करना चाहते हैं या या कृषि कानूनों में सुधार चाहते हैं। निश्चित रूप से अदालत को यह पहल एक गंभीर विषय है। सरकार और किसान संगठनों को मिलकर यह गतिरोध दूर करना चाहिए।

और अब देशभर में रामकाज का आगाज

खरमास के बाद देश में रामकाज का आगाज हो गया है। वैसे भी अपने प्रिय भारतवर्ष में शुभ कार्य करने की परंपरा रही है। रामकाज से बड़ा शुभ काज दूसरा कुछ भी नहीं हो सकता। अपने लिए तो सभी काम करते हैं लेकिन जो राम के लिए काम करता है, जीवन उसी का सार्थक है। किसी भी कार्य के लिए धन जरूरी है। धन से धर्म होता है। नीति भी कहती है कि धनात धर्म ततः सुखं। यह बात हर भारतवासी को पता है। कदाचित इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 42 संगठन राममंदिर निर्माण के लिए धन संग्रह करने मैदान में उतर चुके हैं। 43 दिनों तक वे देश के 5 लाख परिवारों तक जाएंगे। 19 करोड़ लोगों से संपर्क करेंगे। उनसे रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके पीछे संघ परिवार की कोशिश है कि जब राममंदिर बने तो हर हिंदू को इस बात की प्रतीति हो कि इस मंदिर के निर्माण में उनका सहयोग भी शामिल है।

यह अति उत्तम विचार है और इस विचार का स्वागत किया जाना चाहिए। इसका दूसरा पक्ष यह भी है जिसपर अभी किसी ने रोशनी नहीं डाली है। वह यह कि जब भी कोई किसी से सहयोग मांगने जाता है तो दाता और ग्रहीता के बीच संवाद का माहौल बनता है। दोनों एक-दूसरे से जुड़ते हैं। राममंदिर देश को एक-दूसरे से जोड़ने का बड़ा माध्यम है। इस लिहाज से संघ परिवार की देश पर पकड़ भी मजबूत होगी और जब संघ मजबूत होगा तो भाजपा भी मजबूत होगी। इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनाने के लिए निधि समर्पण अभियान देशभर में आरंभ हो गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 5.01 लाख की समर्पण निधि देकर इस कार्यक्रम की शुरुआत की है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो-दो लाख तो पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने एक लाख की समर्पण राशि दी है। कल्याण सिंह ने तो यहां तक कह है कि उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना है कि प्रभु राम का भव्य मंदिर बने। रायबरेली के पूर्व विधायक ने 1.11 करोड़ की राशि देकर राममंदिर के प्रति अपनी निष्ठा का इजहार किया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने अयोध्या में 51 हजार रुपए का चेक देकर इस कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। इसके अतिरिक्त अयोध्या में 14 अन्य जगहों पर निधि समर्पण अभियान का शुभारंभ हुआ है। इस अभियान की सफलता के लिए संतों का भी आशीर्वाद मिला।

दो चरणों में चलने वाले 43 दिवसीय इस अभियान के प्रथम चरण में 31 जनवरी तक केवल उन लोगों से संपर्क किया जाना है जिन्होंने 2 हजार या इससे ज्यादा की धनराशि देने का संकल्प व्यक्त किया है। धन संग्रह टोलियां देशभर में निकल पड़ी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकांश आनुषंगिक संगठनों को इस कार्य में लगाया गया है। यह और बात है कि धन संग्रह प्रभारी संघ से जुड़े लोग ही बनाए गए हैं। धन संग्रह समितियों को रसीदों व कूपनों का वितरण भी शुरू हो गया है ताकि वे पूरी प्रामाणिकता के साथ धन संग्रह कर सकें। अभियान का दूसरा चरण 1 फरवरी से शुरू होना है । इसमें जिला, तहसील, ब्लॉक, गांव के हर घर को मथने का प्रयास होगा। राममंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि की मानें तो इस क्रम में 11 करोड़ परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य है। करीब 30 करोड़ की समर्पण राशि के ऑफर उन्हें मिल चुके हैं। निधि संकल्प संपर्क अभियान में उनका अनुमान है कि करीब 1 करोड़ की धनराशि दान में जमा हो जाएगी। धन संग्रह में कोई गड़बड़ी न हो, इसे लेकर ट्रस्ट पूरी सतर्कता बरत रहा है। इस अभियान को समाज के सभी वर्ग से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

जिस तरह भगवान राम ने सभी का सहयोग लिया था, उसी तरह राम मंदिर निर्माण से सर्व समाज को जोड़ने की यह पहल अनुकरणीय भी है और सराहनीय भी। ट्रस्ट के लोगों ने बाल्मीकि समाज के लोगों से भी समर्पण राशि प्राप्त की है। छोटे-छोटे बच्चों ने भी अपने गुल्लक तोड़कर राममंदिर निर्माण के लिए सहयोग किया है। हिंदुओं की तरह ही मुस्लिमों ने भी जिस तरह मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है, उससे सर्वधर्मसमभाव का बोध होता है और इससे देश की की गंगा-जमुनी संस्कृति का पता चलता है। उन लोगों को भी झटका लगता है जो सबका साथ-सबका विकास की अवधारणा के विपरीत उन्हें लड़ाने-भड़काने में ही अपनी असीमित ऊर्जा खर्च कर डालते हैं।

सियाराम पांडेय 'शांत'

वैसे भी दानवीरता के मामले में इस देश का अपना शानदार इतिहास रहा है। सहयोग समर्पण राशि देने के मामले में यह देश कभी अनुदार नहीं रहा है। अच्छे कामों के लिए कभी धन की कमी यह देश होने नहीं देता। बस आगे चलने की बात होती है। कारवां अपने आप बन जाता है। जिस समय राम मंदिर आंदोलन चल रहा था तब भी इस देश की महिलाओं ने जिसका पूजन के रूप में गहनों और अपनी सचित राशि का दान किया था। इस बात का विचार किया जाना चाहिए कि जनता से मिली राशि का पाई-पाई सदुपयोग हो। यह राम का धन है जिसका राम के काम में ही सदुपयोग किया जाए। इस देश की जनता मंदिर का निर्माण चाहती है। वह कितना भव्य होगा, यह उसकी परिकल्पना हो सकती है लेकिन जन-धन की बर्बादी किसी भी रूप में ठीक नहीं है।

मंदिर 39 माह में ही बने लेकिन भव्य बनना चाहिए। बहुत अरसे बाद मंदिर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया। कोई नया व्यवधान हो, इससे पहले मंदिर बन जाना चाहिए। रामकाज में अगर किसी को राजनीतिक लाभ भी हो जाए तो यह हरिकृपा लेकिन एकबार फिर एक सलाह कि समर्पण निधि से किसी भी तरह का खिलवाड़ न हो, यह सुनिश्चित होना चाहिए। विश्वास ही जनसेवी का सबसे बड़ा धन होता है। राम आदर्शों के समुच्चय हैं, मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। ऐसे में उनके भक्तों पर भी उसका असर तो होना ही चाहिए।

शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश

रोजगार मेले व गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों को लेकर हुई समीक्षा, समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जैन ने इस बैठक में समाधान आनलाइन के चयनित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और इन शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाईन की 300 दिवस से अधिक अवधि की शिकायतों की शिकायतवार तथा विभागवार समीक्षा की और इन शिकायतों का व्यक्तिगत रूची लेकर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

जैन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की और जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे इन शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। जैन ने जिले में राजस्व तथा अन्य मदों की बकाया राशि की वसूली की प्रगति की तहसीलवार समीक्षा की और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे वसूली कार्य में और अधिक सुधार लाए।

रोजगार मेले की तैयारियों की समीक्षा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जैन ने इस बैठक में 20 जनवरी को आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले की तैयारियों की सघन समीक्षा की और मेला स्थल पर समतलीकरण, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस बैठक में रोजगार मेले में जनपद पंचायतवार पंजीयन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारियों जनपद पंचायतों तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में इस रोजगार मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में डोंडी पिटवाकर रोजगार मेले का प्रचार-प्रसार कराए ताकि जरूरतमंद युवक-युवतियां इस रोजगार मेले का लाभ उठा सकें। इस रोजगार मेले में कोविड-19 के बचाव तथा रोकथाम के लिए सेनेटाईजर की व्यवस्था करने तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने, मास्क का उपयोग करने पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जैन ने इस बैठक में 26 जनवरी के मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सौंपे गए दायित्व समय पर पूर्ण करें। उन्होने विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाने वाली झांकियों की थीम पर विचार विमर्श किया और थीम पर अंतिम निर्णय लिया गया। 26 जनवरी को मुख्य समारोह में लगभग 18 विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग की झांकी निकाली जाएगी। इस बैठक में अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, सहायक कलेक्टर आकाश सिंह, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला अनिल भाना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर डॉ. अभयसिंह खराड़ी, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अवैध देशी शराब तस्करों के विरूद्ध पुलिस की बड़ी कार्रवाई

माही की गूंज, मंदसौर।

मप्र शासन के निर्देशानुसार गुण्डों एवं माफियाओं, चिट फंड फ्राड्स, भू-माफिया, रेत माफिया, ड्रग माफिया, शराब माफिया एवं सूद माफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई हेतु विशेष अभियान ऑपरेशन ''माफिया'' संचालित किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में जिला मन्दसौर में अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई हेतु सिद्धार्थ चौधरी, पुलिस अधीक्षक मंदसौर के निर्देशन में गठीत पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना अनुसार छोटी पतलासी सौर उर्जा प्लांट के पास से आरोपी लोकेन्द्र सिंह उर्फ गोलु धोबी (25) निवासी दलीदा, सूरज कौर (21) निवासी खेजड़ीया, जसवन्तसिंह राजपूत (30) निवासी खेजड़ीया के द्वारा दो बोलेरो फिकअप वाहनों से अवैध शराब परिवहन की जा रही । सौर उर्जा प्लांट के पास से घेराबंदी कर बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 43 बीडी 1844 तथा बिना नम्बर की फिकअप को रोका जिसमे आरोपी लोकेन्द्र, सूरज, जसवन्तसिंह मिले तथा मौके से 1 आरोपी राहुलसिंह सिसोदिया निवासी माउखेड़ी थाना भावगढ़ फरार हो गया। आरोपियों के कब्जे वाले वाहनो से कुल 2 केन मे भरी 100 लीटर देशी शराब कीमती 32 हजार रुपए, 2 ड्रम मे भरा कुल 400 लीटर स्प्रीट कीमती 80 हजार रुपए, पीले व हरे रंग के ढक्कन कुल 2 हजार नग, प्लेन देशी व मसाला शराब के स्टीकर 2 हजार नग, होलोग्राम की गड्डी, कुल 200 नग खाली क्वार्टर (पव्वा) मिले जो मौके से विधिवत जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूद्ध थाना सीतामऊ पर अपराध क्रमांक 43/21 धारा 34(2) आबकारी एक्ट तथा 420 भादवि का पंजीबद्ध कर आरोपियों से अवैध शराब तस्करी करने वाले अन्य तस्करो के संबंध मे भी पूछताछ की जा रही है।

नल-जल योजना के जवाबदारों की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को पेयजल के लिए परेशान

माही की गूंज, मंदसौर/भानपुरा।

भानपुरा नगर सहित तहसील क्षेत्र में बीते वर्षा काल में अल्प वर्षा के चलते ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल को लेकर ग्रामीणों के सामने समस्याएं उत्पन्न होने लगी है, क्षेत्र के ग्राम ओसाना में पेयजल की कमी के चलते ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा है। ग्राम में पिछले एक सप्ताह से नल-जल योजना ग्राम के जवाबदारो की उदासीनता के चलते हैं बंद पड़ी है, ऐसे में ग्रामीणों को पेयजल को लेकर भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम ओसारा के महावीर यादव, राहुल, अजय, रामसिंह, मुकेश, वालचंद, पारस आदि ने बताया कि, ग्राम ओसाना में इन दिनों पेयजल को लेकर ग्रामवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीण दूर-दूर से पेयजल की व्यवस्था कर रहे हैं। ग्रामवासियों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि, पेयजल समस्या से अविलंब निजात दिलाई जाए।

इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि रामचंद्र लोहिया ने बताया कि, अल्प वर्षा के चलते जिस कुएं से ग्राम को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा था जो सूख चुका है, जिसके चलते एक सप्ताह से पेयजल योजना बंद पड़ी है। इसको लेकर उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा गया था, ग्रामवासियों को पेयजल को लेकर परेशानियां न हो इसको लेकर शीघ्र ही नया ट्यूबवेल लगाई जाएगा है एवं शीघ्र ही समस्या का निराकरण किया जाएगा।

ब्राहमण समाज महिला मंडल ने मनाया हल्दी, कुमकुम कार्यक्रम

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा सनातन जिला महिला मंडल ने हर्ष उल्लास के साथ हल्दी, कुमकुम कार्यक्रम मनाया। सभा की संरक्षक लता व्यास, राशी जोशी, मंदा शुक्ला, निर्मला उपाध्याय ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भानुमति मेहता, वसुधा जोषी, ज्योति जोषी ने हल्दी, कुमकुम के महत्व बताए। मीना ओझा, जिला अध्यक्ष सुरज जोशी, ने साल भर विभिन्न सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों को करने प्रस्ताव प्रस्तुत किया, कार्यालय प्रभारी निलम शर्मा, मंजु भट्ट, दिपा सिहोटा ने महिलाओं को हल्दी, कुमकुम का तिलक लगाया। आभार युवा अध्यक्ष अमिता जोशी ने माना।

बालू रेत से भरा डम्फर पुलिस ने पकड़ा, तोल कांटे पर आए दूसरे डम्फर पर को आखिर क्यों नही रोका

खनिज विभाग की मिलीभगत से चल रहा अवैध बालू रेत का व्यापार

माही की गूंज, पेटलावद।

रायपुरिया रोड पर पेटलावद पुलिस ने एक बालू रेत से भरे डम्फर आरजे 03 जीए 5232 को रोका व ड्राइवर से कागज के पूछे जाने पर कोई जानकारी नहीं देने पर पुलिस ने डम्फर को तोल कांटा करवाकर खड़ा करवा लिया। पुलिस जवान जब डम्फर का तोल कांटा करवा रहे थे तब एक और डम्फर एमपी 09 एचएच 1425 कांटे पर आया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस जवान ने उक्त डम्फर पर कोई ध्यान नही दिया। थाना प्रभारी सजंय रावत ने मामले में बताया कि, हमाने केवल एक ही डम्फर पकड़ा है, जिसके कागज देखने के बाद आवश्यक चलानी कार्रवाई की जाएगी, दूसरे डम्फर की कोई जानकारी मेरे पास नही आई।

खनिज विभाग कर रहा सोने का नाटक, बिना रॉयल्टी व ओवर लोड चल रहा बालू रेत का व्यापार

खनिज पदार्थो की जांच, आवा-जाही, वैध-अवैध की जानकारी और कार्रवाई के लिए जिले में खनिज विभाग है लेकिन सामान्य वाहनों की तरह रेत के ये डम्फर, ट्रक आदि रोड पर निकल रहे है जो खनिज विभाग को दिखाई नही देते या फिर विभाग आंखे बंदकर सोने का नाटक कर रहा है। धड़ल्ले से हो रहे रेत के अवैध कारोबार में वाहनों के पास रॉयल्टी के अभाव के साथ-साथ ओवर लोड रेत का व्यापार किया जा रहा है, लेकिन कभी पुलिस तो कभी राजस्व विभाग एका-दुक्का कार्रवाई कर मामूली अर्थ दंड कर वाहनों को छोड़ देते है। उक्त मामले में भी पुलिस ने डम्फर पर चालानी कार्रवाई कर छोड़ दिया, जबकि खनिज विभाग के माध्यम से ही खनिज विभाग के नियमानुसार कार्रवाई होनी थी।

वाहन रातसाद करने व लाखों की पेनाल्टी तक के प्रावधान

अवैध रुप से खनिज का परिवहन करने पर शासन ने सख्त कानून बनाए है जिसके तहत अवैध परिवहन करने वाले वाहन को राजसाद करने और लाखों रुपयों का जुर्माना लगाने तक के प्रावधान है, लेकिन खनिज विभाग की और से ऐसी कोई कार्रवाई देखने को आज तक नही मिली। वही पुलिस विभाग या राजस्व विभाग ने होने वाली कार्रवाई में खनिज विभाग को शामिल ही नही किया जाता और मामूली कार्रवाई कर वाहन को छोड़ दिया जाता है जिसके पीछे के कारण जग जाहिर है।

पर्यावरण सहयोग संस्था की वार्षिक बैठक संपन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर। पर्यावरण सहयोग संस्था की वार्षिक बैठक सहयोग गार्डन में संपन्न हुई, बैठक में रखे गए प्रस्ताव सूची पर सर्व अनुमति से निर्णय पारित किए गए, संस्था के कार्यकारिणी चुनाव भी संपन्न किए गए, जिसमें सर्वानुमति से अध्यक्ष पद पर दीपक दीक्षित व सचिव पद पर अविनाश वाघेला को पुनः नियुक्त किया गया, वहीं संस्था के संरक्षक पद पर बालकृष्ण गुप्ता व कैलाश कमेडिया, संयोजक आशुतोष पंचोली व जानकी वल्लभ कोठारी, उपाध्यक्ष विक्रांत राठौर, महेंद्र टवली व आशुतोष दुबे, कोषाध्यक्ष पद पर गोविंद जोशी, सह सचिव डॉ. शकील शेख, परामर्शदाता सुरेश माहेश्वरी, शिवा वाणी, कृष्णकांत बेड़िया, समद मुगल व राजीव शाह, मीडिया प्रभारी पद पर अजय सोनी को नियुक्त किया गया।

बैठक के आरंभ में संस्था के निवर्तमान कोषाध्यक्ष जानकी वल्लभ कोठारी ने संस्था के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, कोठारी ने बताया कि, कोविड-19 की वजह से 1 वर्ष के दौरान संस्था को किसी प्रकार के अतिरिक्त आय नहीं होने से संस्था का बैंक बैलेंस ज्यादा नहीं है वर्तमान में संस्था के बैंक बचत खाते में मात्र 2 हजार रूपए की राशि है।

संस्था संरक्षक बालकृष्ण गुप्ता ने सभी सदस्य से राय-मशवरा कर सर्व अनुमति से नवीन कार्यकारिणी के नामों की घोषणा की। संचालन अविनाश वाघेला ने करते हुए सहयोग संस्था के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में सहयोग महिला मंडल की कार्यकारिणी को भंग करने की जानकारी संस्था संरक्षक गुप्ता ने दी और सभी को अवगत कराया कि, 26 जनवरी के पूर्व सहयोग महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी का भी गठन कर लिया जाएगा। बैठक में संस्था के सदस्य महेश शुक्ला, रामू कमेंड़िया, सतीश भाटी, सहयोग महिला मंडल की सदस्य प्रतिभा माहेश्वरी, प्रतिभा पंचोली, सूरज जोशी, निर्मला कोठारी गरिमा दुबे आदि उपस्थित थे।

किसान आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस ने निकाली ट्रेक्टर रैली

माही की गूंज, शुजालपुर।

जिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा लाए कृषि कानून के विरोध में ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया, ट्रैक्टर रैली शुजालपुर मंडी क्षेत्र राम मंदिर से प्रारंभ होकर तहसील परिसर पहुंची, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। रैली में कांग्रेस यूथ अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी, रामवीर सिंह शिकरवार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेंद्रसिंह बंटी बन्ना, महेंद्र जोशी, गजेंद्रसिंह सिसोदिया, रचना जैन सहित कई दिग्गज कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि, अगर केंद्र सरकार ने इन तीनों काले कानूनों को वापस नहीं लिया तो आगामी दिनों में कांग्रेस पार्टी, केंद्र सरकार की ईंट से ईंट बजाकर रख देगी। साथ ही महिलाओं पर दिए आपत्तिजनक बयान पर सज्जन वर्मा ने सफाई देते हुए कहा कि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी असफलता को छुपाने के लिए मेरे बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है, मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार बेटियों की उम्र बढ़ाकर उन्हें दी जाने वाली राशि से बचने का प्रयास कर रही है,

कांग्रेस यूथ अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा कि, अब कांग्रेस युवा टीम को और पैनल बनाकर आगामी दिनों में कांग्रेस को विजय दिलवाने का प्रयास करेगी।

राममंदिर निधि समर्पण अभियान को लेकर रामभक्तों में उत्साह

घर-घर जाकर मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित कर रहे निधि

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय।

रामंदिर निर्माण के लिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संयोजन में शुरू हुए निधि समर्पण अभियान को लेकर रामभक्तों में खासा उत्साह दिख रहा है, अभियान के लिए नगर में जगह-जगह नगर के युवा भ्रमण कर रहे हैं, जहां निधि समर्पण के लिए रामभक्तों की होड़ सी लगी हुई है। रामभक्त अभिषेक पाटीदार ने बताया कि, अभियान के प्रारंभ होते ही निधि संग्रहण टोलियां प्रतिदिन नगर में संपर्क कर रही हैं और श्रीराम मंदिर निर्माण की समर्पण निधि दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। निधि समर्पण के लिए हाथ जोड़कर निवेदन कर रहे हैं कार्यकर्ताओं को लोग भी उदारता से दान दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि, समाज के अंतिम व्यक्ति से भी उसकी शक्ति अनुरूप सहयोग मंदिर निर्माण में लिया जाना है मंदिर निर्माण में ऐसे में रामसेवकों की टोलियों का उत्साह भी परवान चढ़ रहा है।

सड़क दुर्घटना में शासकीय शिक्षक की मौत

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। पंचायत के ग्राम फत्ताटोड़ी में रहने वाले केशर पिता नेमचन्द बामण का देहांत सड़क दुर्घटना में हो गया, केशर शासकीय शिक्षक थे थांदला के परवलिया संकूल के अन्तर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक स्कूल लाटपुरा में पदस्थ थे। इस स्कूल के दोनो शिक्षक केशर ओर हेमंत बेरावत आस-पास की ही गांव मे निवास होने के कारण रोजाना लाटपुरा से एक ही बाईक से जाते थे, स्कूल जाते वक्त सड़क दुर्घटना में केशर की मौत हो गई, वही हेमंत बेरावत को चोट लगी। केशर बामण काफी मिलनसार हंसमुख व्यक्ति थे उनके निधन की खबर से गांव में शौक की लहर छा गई।

हवा में बना अटल काम्पेक्स, सूचना अधिकार में खुली ग्राम पंचायत की पोल

सचिव ने किए चौंकाने वाले खुलासे पंचायत के पास दुकानों का कोई रिकॉर्ड नहीं

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

बामनिया ग्राम पंचायत में विवादित सर्वे नंबर 144 मुख्य चौराहे पर दुकान निर्माण मामले में पंचायत के विरुद्ध आरटीआई एक्टिविटीज याचिकाकर्ता ने इंदौर हाईकोर्ट खंडपीठ इंदौर में ग्राम बामनिया स्थित रतलाम-फुलमाल स्टेट हाईवे क्रमांक 39 जो कि, ग्राम बामनिया स्थित चौराहे पर एकल पट्टी अंतर्गत स्टेट हाईवे की चौड़ाई को कम होने के कारण स्टेट हाईवे पर आए दिन जाम जैसी स्थिति बन जाती है, यहां पर आए दिन बड़े-बड़े वाहनों का रेलवे स्टेशन नजदीक होने एवं पैदल चलने वाले यात्रियों के जीवन पर गहरा खतरा मंडरा रहा है। याचिकाकर्ता ने अपने शपथ पत्र में इंदौर हाईकोर्ट खंडपीठ को यह भी बताया कि, जिस स्थान पर ग्राम पंचायत बामनिया ने अवैध व्यवसाई निर्माण कांप्लेक्स बनाया है उसमें किसी भी रूप में वैज्ञानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है तथा बामनिया चौराहे को क्रॉस करते हुए उक्त मार्ग एकल पट्टी का होकर पूर्व से ही संकीर्ण मार्ग होकर व्यस्ततम मार्ग होने के कारण जाम की स्थिति हमेशा बनी रहती है।

ग्राम पंचायत के सचिव ने खोला झूठ का पिटारा, सूचना अधिकार में मिली चौंकाने वाली जानकारी

मामले में सूचना के अधिकार की धारा 61 के अंतर्गत बामनिया दुकान निर्माण सर्वे नंबर 144 की जानकारी मांगी गई थी, दी गई जानकारी में बिंदु क्रमांक 3 जनपद पंचायत पेटलाद ने तकनीकी स्वीकृति लेआउट आदेश तथा सब इंजीनियर पेटलावद लेआउट निर्माण कार्य के फोटो चाहे गए थे, जिसमें स्पष्ट लिखा है कि, यह जानकारी ग्राम पंचायत में उपलब्ध ही नहीं है। बिंदु क्रमांक 4 की जानकारी में यह पूछा गया कि, किस शासकीय मद से दुकान का निर्माण किया गया है तो चौंकाने वाला खुलासा ग्राम पंचायत बामनिया के सचिव ने किया कि, ग्राम पंचायत बामनिया सर्वे नंबर 144 पर दुकान निर्माण में ग्राम पंचायत ने किसी भी शासकीय राशि का उपयोग नहीं किया गया है, तो फिर सवाल यह उठता है कि, इतने बड़े कॉम्प्लेक्स की धनराशि फर्जी तरीके से कहां से आई। साथ ही बिंदु क्रमांक 5 में सचिव ने स्पष्ट लिखा कि, उक्त दुकान निर्माण का कोई भी रिकॉर्ड ग्राम पंचायत में नहीं होने के चलते जानकारी दिया जाना असंभव है। अवैध तरीके से किए गए निर्माण को लेकर के इंदौर खंडपीठ हाईकोर्ट एक बड़ा फैसला सरपंच पद से पृथक तथा डिस्मेंटल ऑर्डर और सरपंच, पूर्व सचिव एवं तत्कालीन राजस्व अधिकारी एमएल मालवीय के खिलाफ सुना सकता है। पंचायत के साथ-साथ पूरे मामले में एमडीएम मालवीय की मुसीबत बढ़ सकती है। सोमवार को मामले में फिर सुनवाई हुई अपीलकर्ता ने ग्राम पंचायत से सूचना अधिकार में मिली जानकारी के शपथ-पत्र पेश किया, वही ग्राम पंचायत अब बुरी तरह फंसती नजर आ रही है पंचायत अभी भी अपना पक्ष नही रख पाई है फिलहाल कोर्ट ने अगली तारीख 25 जनवरी तय की है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामसभा में हुई चर्चा एवं प्रस्ताव के आधार पर होगा कृषक मित्र का चयन

माही की गूंज, बड़वानी। भारत सरकार के विस्तार सुधार कार्यक्रम के सब-मिषन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंषन ''आत्मा'' के पुनरीक्षित मार्गदर्षी अनुसार ग्रामीण स्तर पर कृषक एवं प्रसार तंत्र के बीच जीवन्त संबंध स्थापित करने की दृष्टि से दो आबाद ग्रामों पर एक कृषक मित्र चयनित करने के प्रावधान के अनुरूप नवीन कृषकों को ''कृषक मित्र'' के रूप में चयन किया जाना है।

कृषक मित्र के माध्यम से अधिक से अधिक कृषकों को कृषि प्रसार एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, प्रत्येक 2 आबाद ग्राम पर एक कृषक का चयन ''कृषक मित्र'' के रूप में किया जाएगा। कृषक मित्र का चयन 26 जनवरी को होने वाली ग्रामसभा में हुई चर्चा के आधार पर प्रस्तावित किया जाएगा। जिसके आधार पर नामों का विकासखण्ड स्तर पर ''कृषक मित्र'' की सूची (तीन कृषकों का पैनल) का यथा संभव अवलोकन विकासखण्ड स्तरीय कृषक सलाहकार समिति आत्मा द्वारा किए जाने के पष्चात् जिला स्तर पर परियोजना संचालक ''आत्मा'', किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला बडवानी को उपलब्ध कराएंगें।

30 लाख 65 हजार रूपए के नकली नोट के साथ 6 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

गत 19 जनवरी को थाना प्रभारी बलकवाड़ा वरूण तिवारी को मुखबीर से मिली सूचना अनुसार जितेंद्र नाम का व्यक्ति से 2 हजार व 500 रूपए के नकली नोट छापने व बेचने का कारोबार करता है तथा साहिल, संजय के साथ मिलकर नोट सप्लाई करने का कारोबार करते है। मुखबीर की सूचना पर थाना प्रभारी बलकवाड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया, टीम 19 जनवरी को कार्रवाई के लिए सिंगाजी मंदिर के सामने बलखड़ रोड के पास पहुंचे, जहां पर 5 व्यक्ति तीन मोटर सायकल सहित खडे होकर लेन-देन करते हुए दिखाई दिए। जिन्होंने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया, पुलिस टीम द्वारा जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा, पकड में आए व्यक्ति नरेंद्र पिता अमरसिंग पंवार निवासी ग्राम बमनाला थाना भीकनगांव के पास से 2 हजार एवं 500 रुपए के कुल 5 लाख रुपए, जितेंद्र पिता रामप्रसाद भाटी निवासी आनंदीखेडी थाना नलखेड़ा जिला आगर मालवा के पास से 2 हजार एवं 500 रुपए के कुल 4 लाख रुपए तथा संजय पिता चतरसिंह निवासी ग्राम ललनी थाना भीकनगांव, साहिल पिता पवन पंवार निवासी बोरगांव बूजुर्ग थाना पंधाना एवं विजय उर्फ कान्हा पिता बदामसिंह निवासी ग्राम टेमरनी थाना गोगावां के पास से 2 हजार एवं 500 रुपए के कुल 3-3 लाख रुपए के नोट मिले। इन नोटों का सुक्ष्मता से अध्ययन उच्च गुणवत्ता के नकली नोट होना पाया, आरोपियों से कुल 18 लाख रुपए जब्त किए।

आरोपी जितेंद्र मामा के साथ मिलकर करता था काम

पकड़ में आए व्यक्ति जितेंद्र से पूछताछ पर उसके द्वारा अपने घर ग्राम आनंदीबेडी थाना नलखेडा जिला आगर मालवा में अपने मामा जगदीश पिता रतनलाल तोमर निवासी ग्राम तलावली थाना लसूडिया इंदौर के साथ मिलकर नकली नोट छापने व स्वयं व मामा के साथ मिलकर मार्केट में चलाने एवं सप्लाई करने का काम करना बताया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए जितेंद्र पिता रामप्रसाद भाटी निवासी आनंदीखेडी थाना नलखेडा जिला आगर मालवा को साथ लेकर इंदौर पहुंची। यहां आरोपी जगदीश पिता रतनलाल तोमर निवासी ग्राम तलावली थाना लसूडिया इंदौर को गिरफ्तार कर पुछताछ कर कब्जे से 2 हजार एवं 500 रुपए के कुल 4 लाख 65 हजार रुपए के उच्च गुणवत्ता के नकली नोट मिले, जिन्हे विधिवत जब्त किया गया।

आरोपियों का कृत्य नकली भारतीय मुद्रा का षडयंत्र पूर्वक जाली नोट छापने, संचालन करने, कब्जे में रखने आदि का पाया जाने से आरोपियों के विरूद्ध थाना बलकवाड़ा पर अपराध क्रमांक 21/21 धारा 489 क, 489 ख, 489 ग, 120-बी भादवि दर्ज कर अनुसंधान में लिया गया। कार्रवाई में पुलिस टीम ने अब तक आरोपीगण से कुल 30 लाख 65 हजार रुपए, 3 मोटर सायकल, 2 प्रिंटर मशीन, आधे छपे नोट, नोट छापने के मे उपयोग किए जाने वाला कागज, कटर एवं अन्या उपकरण जब्त किए गए।

25 जनवरी से प्रारंभ होगा समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन

माही की गूंज, बड़वानी।

राज्य शासन द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 1 हजार 975 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, गेहूं के उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 25 जनवरी से 25 फरवरी तक निर्धारित 26 पंजीयन केन्द्रों पर प्रातः 9 बजे से शाम 7 बजे तक कार्य दिवस अवधि में किया जाएगा।

जिला आपूर्ति अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के समस्त किसानों को नवीन पंजीयन कराना होगा, कृषकों द्वारा पंजीयन के दौरान अपने आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक दस्तावेज आधार नंबर, समग्र आईडी, स्वयं का मोबाईल नंबर, राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा शेड्यूल बैंक स्वयं का एकल खाता, बैंक शाखा का नाम, आईएफएससी कोड तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति, भूमि खाते से संबंधित खसरा, ऋण पुस्तिका, वन अधिकार पट्टे, स्वयं के नाम की भूमि न होने पर भू-स्वामी के साथ निर्धारित प्रारूप में सिकमीध्बटाई के अनुबंध की प्रति लेकर उपस्थित होना होगा।

इन 26 केन्द्रो पर होगा पंजीयन

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था सिलावद, बोरलाय, बड़वानी, तलवाड़ा बुजुर्ग, पाटी, ठीकरी, दवाना, ब्राह्मण्गाँव, बरूपाटक, रणगाँव डेब, तलवाड़ा डेब, अंजड, राजपुर, जुलवानिया, पलसूद, ओझर, धनोरा, खुर्माबाद, बलवाड़ी, धवली, निवाली, मोयदा, खेतिया एवं खाण्डेराव मार्केटिंग विपणन सहकारी संस्था ठीकरी एवं राजपुर, विपणन सहकारी संस्था मर्यादित सेंधवा खरीदी एवं पंजीयन केन्द्र बनाये गए है।

राजस्व-पुलिस-आबकारी विभाग मिलकर तोड़े, अवैध शराब माफिया की कमर- श्री वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल ने बुधवार को प्रातः कलेक्टरेट सभागृह में आयोजित बैठक में उपस्थित एवं विडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़े जिले के समस्त राजस्व-पुलिस-आबकारी पदाधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारी द्वय ने सभी अधिकारियों को एक वाक्य में स्पष्ट निर्देश दिए कि, जो भी अनैतिक-अवैधानिक कार्य में संलग्न है, उसके मंसूबे को ध्वस्त कर दिया जाए, उसकी सम्पूर्ण सम्पति की जानकारी निकालकर ठोस कार्रवाई की जाए।

बैठक के दौरान कुछ अधिकारियों द्वारा अवैधानिक गतिविधियों में कुछ पूर्व और वर्तमान सरपंचो के संलग्न होने की जानकारी देने पर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि, किसी को भी छोड़ा नही जाए। पूर्व सरपंचों के संलग्न होने पर उनके विरूद्ध भी ठोस प्रकरण बनाकर कार्रवाई की जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी एसडीएम एवं एसडीओपी को अपने-अपने प्रभार के क्षेत्र में गुंडा-माफियाओं के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही को स्वयं नेतृत्व प्रदान करने के निर्देश दिए, साथ ही जिला स्तर से भेजी गई माफ्रियाओं की सूची को अपने स्तर से भी और विस्तार करने के निर्देश दिए, जिससे जिले में पूरी तरह से सुशासन स्थापित हो सके। बैठक के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट किया कि, जिले में कही पर भी कार्रवाई के पूर्व फीडबेक से साथ पूरी गोपनीयता बरतते हुए संयुक्त रूप से कार्रवाइ की जाए।

सरकारी भूमि पर बना अवैध ढाबा कार्रवाई में किया ध्वस्त

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में चल रहे सुशासन अभियान के तहत राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एसडीएम राजपुर अभयसिंह ओहरिया के निर्देशन में ग्राम उमरिया तहसील अंजड़ की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध ढाबे को ध्वस्त किया है। एसडीएम ओहरिया ने बताया कि, इस 2.214 हेक्टर शासकीय भूमि पर भू एवं शराब माफिया जितेन्द्र पाटील ने कब्जा कर ढाबा बनाया हुआ था। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी पर आबकारी अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई है।

फायर ब्रिगेड की टिम ने आग कैसे व किस प्रकार बुझाई जाए, का दिया प्रशिक्षण

माही की गूंज, खरगोन। खंडवा रोड़ स्थित देवी अहिल्या शासकीय उमावि क्र. 2 में बुधवार को नगर पालिका की आपदा प्रबंधन टीम द्वारा छात्रों के समक्ष विभिन्न आपदाओं के समय सुरक्षा एवं समय पर की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। आग लगने पर किस तरह से फायर ब्रिगेड को सूचना करना एवं आग कैसे व किस प्रकार से बुझाई जाए, इस बारे में छात्रों को बताया गया। प्रायोगिक रूप से छात्रों द्वारा भी आग बुझाने का प्रशिक्षण लिया गया, साथ ही क्रत्रिम आपदा उत्पन्न कर उससे निपटने के उपाय का बखुबी प्रदर्शन किया गया। प्राचार्य आरके सिंह कुशवाह द्वारा छात्रों को संबोधित करते हुए अपने घर खलियान, स्कूल या कहीं अन्य स्थान पर आपदा की स्थिति में कैसे बचाव किया जाए, हम किस तरह से अन्य लोगों की मदद कर सकते हैं इस बारे में बताया गया। सहायक आयुक्त जेएस डामोर ने बताया कि आज गुरूवार को आपदा प्रबंधन प्रदर्शनी एवं मॉक ड्रिल स्थानीय शासकीय कन्या उमावि क्र. 1, कन्या हाईस्कूल एवं कन्या शिक्षा परिसर में संयुक्त रूप आयोजित की जाएगी।

जिले में आयोजित हुआ रोजगार मेला

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला मुख्यालय पर बुधवार को लगा रोजगार उत्सव मेला युवाओं के सपनों को साकार करने, उनकी इच्छाओं को पंख लगाने वाला सिद्ध हुआ। मेले में किर्लोस्कर कम्पनी से जॉब ऑफ प्राप्त होने पर जिले के ग्राम पलसूद के युवा दुर्गेश चितावले ने खुश होते हुए इस रोजगार मेले के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

यह रोजगार उत्सव मेला, स्वसहायता समूह की महिलाओं के लिए भी यादगार बन गया। जब उन्हें सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल एवं कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने एक्सप्रेस वाहन की चॉबी सौपी। अब इस वाहन का उपयोग महिलाओं का समूह अपनी गतिविधियों के विस्तार एवं ग्राम के बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं को आवागमन के साधन के रूप में उपयोग कर अपनी आय को और बढ़ाएगा।

राजस्व विभाग ने पलसूद की दो गिटटी क्रेशर को किया सील

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में चल रहे सुशासन अभियान के तहत एसडीएम राजपुर अभयसिंह ओहरिया के निर्देशन में राजस्व अमले ने पलसूद में गिटटी खदानो का निरीक्षण करने पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने, शासकीय भूमि पर अवैध भण्डारण करने, 6 मीटर से अधिक खुदाई करने पर कृष्णा गोले एवं लवकेश गोले की गिटटी क्रेशर खदान को सील किया।

युवा सप्ताह का आयोजन हुआ सम्पन्न

माही की गूंज, शुजालपुर।

नेहरू युवा केंद्र शाजापुर के मार्गदर्शन व सहयोग से आदर्श क्लब पटलावदा द्वारा प, ति व र्ष अनुसार इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवा सप्ताह का आयोजन 12 जनवरी से 19 जनवरी तक किया गया। इस सप्ताह में खेल गतिविधियां एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जैसे- बालिकाओं एवं बालकों की 100 मीटर की दौड, 200 मीटर की दौड़, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, चेयर रेस, 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की चेयर रेस एवं बोरा रेस आदि प्रतियोगिताएं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विजेता बालक-बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम को 15 हजार 555 रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

हर वर्ष क्लब, सामाजिक क्षेत्र खेल एवं राजनीति में विशेष योगदान देने वाले एक व्यक्ति को पुरस्कृत करता है जिसमें इस वर्ष कबड्डी खेल में राष्ट्रीय टीम में चयनित अभिषेक पिता लखन आर्य निवासी ग्राम पगरावद कला को प्रशस्ति पत्र एवं शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विनोद देशमुख शासकीय जेएनएस कॉलेज शुजालपुर के पूर्व प्राचार्य व पूर्व प्राध्यापक प्रमोद जैन, लाड़सिंह, आदर्श क्लब पटलावदा के अध्यक्ष जेपी परमार, सचिव खामसिंह परमार, सरपंच कपील परमार व समस्त खिलाड़ी तथा ग्राम पटलावदा के नागरिक उपस्थित रहे।

अभिभाषक सुरक्षा कानून की मांग

माही की गूंज, शुजालपुर।

विगत दिनों एडवोकेट महेन्द्र जैन पर हुए जान लेवा हमले को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी सौंपा तथा आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। अभिभाषक सुरक्षा कानून की मांग के ज्ञापन सौपने में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिवक्ता मंच के अध्यक्ष राजेंद्रसिंह सिसोदिया, रमेश चोपड़ा, अशोक परमार, मुकेश मेवाड़ा, मांगीलाल परिहार, महेंद्र परमार, हरनाम सिंह मेवाड़ा आदि उपस्थित थे।

महिला अपराध न मेरे मोहल्ले, ना मेरे प्रदेश, ना मेरे देश में

माही की गूंज, बड़वानी।

शिवराज सिंह चौहान द्वारा ''महिला सम्मान'' अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत महिलाओं, बालिकाओं, किशोरियों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर रोक लगाने हेतु बड़वानी जिले में पुलिस विभाग, जिला प्रशासन के समन्वय से ''महिला सम्मान'' अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बडवानी में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर जागरूकता संबंधी बातें बताई। सोशल मीडिया पर अपना फोटो या वीडियो अपलोड ना करें, सावधान रहें पासवर्ड स्ट्रांग रखें और किसी से भी कभी भी साझा ना करें, किसी भी सोशल मीडिया की साइट पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा ना करें और सोशल मीडिया की मित्रता इंटरनेट तक ही सीमित रखें उन्हें अपने पर्सनल जीवन में प्रवेश न करने दे।

संभागीय संयुक्त संचालक ने जिला कोषालय का किया निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

कोष एवं लेखा इंदौर के संभागीय संयुक्त संचालक देवधर दरवई ने बुधवार को जिला कोषालय कार्यालय का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने कोषालय से संबंधित कोष एवं लेखा दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए स्ट्रांग रूम में रखे मुद्रांक (स्टांप) और बहुमूल्य पैकेट्स का भी सत्यापन किया। जिला कोषालय अधिकारी आनंद पटले ने बताया कि, संयुक्त संचालक दरवई ने वेतन निर्धारण में प्रगति की जानकारी लेते हुए सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के विभिन्न दावों की भी समीक्षा की, साथ ही वेतन निर्धारण, अवकाश नगदीकरण, परिवार कल्याण निधि समुह बीमा, भविष्य निधि, पेंशन भुगतान आदेश, ग्रेज्युटी आदि के लंबित दावों के त्वरित एवं समयसीमा में निराकरण कर भुगतान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी महेश वर्मा, वरूण रिसोड़कर एवं बलीराम निगोले, जीएस आर्से, खजांची परसराम मुजाल्दे उपस्थित रहे।

नगरीय निकाय में जिला व नगर पालिका स्तरीय कमेटी का किया गठन

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग से नगरीय निकाय एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2021 का कार्यक्रम जारी किया गया है, जारी कार्यक्रम अनुसार जिले में स्टेडिंग कमेटी का गठन करने के निर्देश दिए है। प्राप्त निर्देशों पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अनुग्रहा पी ने फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण-2021 के लिए नगरीय निकाय में जिला व नगर पालिका स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी का गठन किया गया है। इनमें जिला स्तरीय कमेटी में भाजपा, कांग्रेस व बसपा के अध्यक्ष, भाकपा, माकपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस के अध्यक्ष व सचिव सहित नगर परिषद महेश्वर, मंडलेश्वर व भीकनगांव के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष तथा खरगोन, कसरावद, सनावद, बड़वाह व करही-पाड़ल्या के पूर्व अध्यक्ष व उपाध्यक्षों को सदस्य शामिल किया गया है। जबकि नगर पालिका स्तरीय कमेटी में नगर परिषद महेश्वर, मंडलेश्वर व भीकनगांव के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षद, नगर परिषद कसरावद, सनावद, बड़वाह व करही-पाड़ल्या के पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षदगण सहित नगरीय क्षेत्रों के भाजपा, कांग्रेस, बसपा, माकपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस व भाकपा के प्रतिनिधि को सदस्य नियुक्त किया है।

पंचायतों के लिए भी किया जिला व पंचायत स्तर पर कमेटी का गठन

स्थानीय निवार्चन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण-2021 के लिए जिला स्तरीय एवं जनपद पंचायत स्तर पर स्टेंडिंग कमेटी का गठन किया गया है। जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी में जिला पंचायत के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य एवं सभी जनपद पंचायतों के कार्यवाहन अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को नियुक्त किया गया है। वहीं जनपद पंचायत स्तरीय कमेटी में सभी 9 जनपदों के कार्यवाहक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्य एवं संबंधित जनपद पंचायत के कार्यवाहक सरपंच को नियुक्त किया है।

जाहिर-सूचना

वार्ड क्र. 8 गली न. 1 कानवन रोड पेटलावद स्थित भूखण्ड बाबद सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि, वार्ड क्र. गली न. 1 कानवन रोड पेटलावद स्थित भूखण्ड जिसकी साईज 20 फिट बाय 90 फिट कूल 1800 वर्गफिट है उक्त भूखण्ड का आधा भाग जिसकी साईज 20 फिट बाय 45 फिट कूल क्षेत्रफ्ल 900 वर्गफिट जिसकी चतु: सीमा पूर्व में रास्ता पश्चिम मे - स्वं मोडाजी के अन्य वारिसान सामा, कोदा, नानलाल व बाबूलाल का व उनके वारिसान का हिस्सा बाद किशनलाल का मकान उत्तर मे भरत चौना का भाग व दक्षिण में रास्ता है के हमारे पक्षकारगण 1. रामा पिता स्वं मोडाजी पडियार, 2. शंकर पिता स्वं मोडजी पडियार, 3. रमेश पिता चेनालाल (चनसिंह) पडियार, 4. श्रीमती सरिता पति रमेश पडियार सभी निवासी पेटलावद जिला झाबूआ म. प्र.। संयूक्त स्वामीत्व का है परन्तु नन्दलाल पिता स्वं सामाजी पडियार के मन मे बदयान्ती आ जाने से वह स्वयं को उक्त सम्पूर्ण भूमि का एकमात्र स्वामी दर्शा कर उसके द्वारा निमिर्त फर्जी व कूटरचित दस्तावेजो के सहारे उसे फर्जी व कूटरचित विक्रय पत्र के माध्यम से उसके दामाद मूकेश मूलेवा पिता आथदान को विक्रय किया है उक्त विक्रय पत्र विधि अनुसार बल ना रखता होकर शून्य होकर नन्दलाल को हमारे पक्षकारगण के हित स्वत्व अधिकर के भाग को विक्रय करने का कानुनन अधिकर व्याप्त नही था साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त वर्णित चतु: सीमा के 900 वर्गफुट भूखण्ड बाबद हमारे पक्षकारगण के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति से कोई संव्यवहार लेन-देन अंरतण ना करे अन्यथा वह समस्त संव्यवहार अवैध व शून्य होकर हमारे पक्षकार भवदीय पर किसी भी रूप से बंधनकारी नही होगा सो सूचित हो।

आजाद अभिभाषक
25, रेशम वाला लेन
नन्दलालपुरा जवाहर मार्ग इन्दौर
मो. 9827735432

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल वरिष्ठ कांग्रेसियों की राजनीति हाशिये पर

संगठन के विस्तार में कई बड़े नाम व विज्ञापनों से फोटो गायब

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

''राजनीति में कभी उनके भी सितारे थे बुलंदी पर आज हाशिये पर चली गई राजनीति की दुकान'' राजनीति में कब कोन सा नाम बड़ा हो जाए और किसका कद बोना हो जाए कह नही सकते, देश के राजनीतिक दलों के नेताओ में पार्टी बदलने का कोई नया रिवाज नही है लेकिन जिस दल में कभी नेता अपने पूरे शबाब पर होते थे वे भी लोभ-लालच या मान-सम्मान के नाम पर दल बदल लेते है। कई बार विपक्ष से आया नेता पुराने नेताओं के सर पर नाचने लगते है तो, कई बार उनके राजनीतिक जीवन को विराम लग जाता है।

बात करे पेटलावद की राजनीति कि तो, कांग्रेस के कई बड़े चहरे जो कभी कांग्रेस की नाक हुआ करते थे उनकी राजनीति पार्टी बदलने के बाद हाशिये पर चली गई और वर्तमान में सक्रिय राजनीति में केवल फोटो बनकर ही रह गए।

संगठन विस्तार में नही कोई पूछ परख

विपक्षी दल के सक्रिय नेताओ को अपने साथ शामिल कर उनका राजनीतिक जीवन समाप्त करने में माहिर भाजपा में इन दिनों जमीन स्तर से लेकर भोपाल स्तर तक संगठन के विस्तार का दौर जारी है, लेकिन

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कुछ बड़े नाम इस कदर राजनीति से गायब हुए की अब उनके नाम पार्टी के विज्ञापन तक मे भी दिखाई नही देते, कुछ ऐसे कांग्रेस के नेताओ के नाम हमारे सामने आए जो राजनीति में अनदेखी के कारण समय से पहले रिटायर्ड हो गए या फिर कहे तो राजनीति से दूरी बना ली। पेटलावद से कांग्रेस के बड़े नेता रहे वकील विनोद पुरोहित, भेरूलाल जाजपर, ग्रामीण क्षेत्र से छगनलाल जयसवाल, पुरषोत्तम पाटीदार, मुस्लिम समुदाय के इस्माइल कुरेशी जैसे कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद से अपनी जमीन तलाश रहे है, भाजपा संगठन के विस्तार के दौर में इन जैसे कई नामो पर कोई चर्चा दूर-दूर तक नही है, वही ग्रामीण क्षेत्रो में होने वाले चुनाव में इनको कोई तवज्जो नही दी गई जिसके कारण इनके राजनीतिक जीवन का दौर लगभग समाप्ति पर आ चुका है।

कांग्रेस के बड़े नेता सिंधिया के भाजपा में जाने के बाद प्रदेश में कई नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए, इसी दौर में विधानसभा के कई और बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़ने की चर्चा हो रही है, अपने पुराने साथियो की हालत देखने के बाद भी कांग्रेस के कई नेता सत्ता सुख भोगने के लिए लालायित हो रहे है। वहीं मिली जानकारी अनुसार कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में आए पुराने नेताओं की बजाए नए कांग्रेसी नेताओं को संगठन में पद देने के लोभ-लालच देकर अपनी और आकर्षित कर रही है ताकी कांग्रेस के जनाधार को कम कर आने वाले चुनावो में राजनीतिक लाभ ले सके।

कोविड-19 टीकाकरण की हुई शुरूआत

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

कोविड-19 के टीकाकरण की शुरूआत जिले में सिटी सिविल हॉस्पिटल से की गई, स्कूल शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार की उपस्थिति में 53 वर्षीय हेल्थ केयर वर्कर वार्डबॉय लक्ष्मीनारायण पिता बाबुलाल रजक को लगाया गया, साथ ही दूसरा टीका शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक डॉ. एचएस जाटव को लगाया गया।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्री परमार ने कोविड-19 के टीकाकरण की शुरूआत होने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि, कोरोना काल में लोगों ने एकजुटता का परिचय देते हुए इसके संकट को समझा और इसके बचाव के तरीके अपनाए। कोरोना के कारण लोगों में जागृति आई और सभी ने ऐतिहासिक एकता का परिचय देते हुए कोरोना के खिलाफ युद्ध में साथ दिया। डॉ. सीवी मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि, कोरोना से बचने के लिए वैक्सिनशन जरूरी है, कोरोना वैक्सिनशेन के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित किया गया है, आमजन जब नंबर आएगा तब अवश्यक रूप से टीका लगवाएं, वैक्सीनेशन से घबराए नहीं। डॉ. एसएन गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए कहा कि, वैक्सीनेशन के प्रथम डोज के बाद भी सुरक्षा रखना अति आवश्यक है, द्वितीय डोज के उपरांत दो माह के इंतजार के बाद शरीर में एन्टीबॉडी बनती है, इसलिए प्रथम डोज के उपरांत भी कोरोना से सुरक्षा के पूरे उपाय अपनाए।

वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित

टीकाकरण उपरांत नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनी एवं सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ. झाला ने कहा कि, हमें टीका लगावाने के बाद किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है और न ही किसी प्रकार का भय है, पूर्णतरू स्वस्थ्य है। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है, वैक्सीन लगने के बाद कोई समस्या नहीं हो रही है।

कलेक्टर श्री जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि, किसी ने कल्पना भी नहीं की थी की हमे कोरोना काल में ऐसे अज्ञात शत्रु से लड़ना था जो दिखता भी नहीं है और ज्यादा नुकसान करता है।

32 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ शुभारंभ

यातायात नियमों का पालन करना अपनी आदत बनाए- कलेक्टर डाड

माही की गूंज, रतलाम।

वाहन सावधानी से चलाएं, यातायात नियमों का पालन करना अपनी आदत बना ले यह बात कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने पुलिस यातायात विभाग द्वारा आयोजित 32 वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ के अवसर पर कही। राजपूत बोर्डिंग परिसर में जिला पंचायत प्रधान परमेश मैडा, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, अपर जिला न्यायाधीश साबिर एहमद खान, सीईओ जिला पंचायत संदीप केरकट्टा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार, इंद्रजीत बाकलवार, ट्रैफिक डीएसपी मानसिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर डाड ने संबोधित करते हुए कहा कि, लापरवाही के साथ वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का प्रमुख कारण होता है, लोगों को यातायात के नियमों का पालन अपनी आदत में लाना होगा। वाहन चलाते वक्त सावधानी बरतें, सीट बेल्ट लगाएं, माता-पिता अपने बच्चों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करें, समझाइश देवें। लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाएं, सबको जागरूक करें ताकि सब सुरक्षित रहें।

अपर जिला न्यायाधीश साबिर एहमद खान ने अपने सम्बोधन में कहा कि कानून का पालन अत्याआवष्यक है। सड़क दुर्घटनाओं से तभी बचा जा सकता है जब सभी लोग यातायात के नियमों का पालन करें। पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने अपने उद्बोधन में सड़क सुरक्षा माह आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, विगत वर्ष जिले में 1 हजार से ज्यादा सड़क दुर्घटनाए देखने में आई जिनमें 150 से ज्यादा व्यक्तियों की मृत्यु हुई। हमारा पूरजोर प्रयास है कि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु नहीं हो, यदि कोई घायल होता है तो उसे कम से कम समय में निकट के सुविधा युक्त चिकित्सालय में उपचार सुविधा दिलवाई जा सके। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने राज्य शासन द्वारा प्रारम्भ किए गए ''नारी सम्मान अभियान'' पर आधारित पेम्पलेट प्रदर्शित कर यह भावना प्रकट की गई कि, नारी का सम्मान करने वाला ही असली हीरो होता है।

पुलिस ने चोरी करने वाले 2 बदमाशो को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज)। मिशिन झाकरेद

पुलिस ने चोरी की आधा दर्जन वारदातों का खुलासा करते हुए दो बदमाश को गिरफ्तार किया है, साथ ही 4 मोबाइल, 2 लैपटॉप, 4 पानी की मोटर और 15 हजार रूपए बरामद किए। थाना अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि, कुशलगढ आनंदपुरी और सज्जनगढ़ क्षेत्र में हुई चोरियों को लेकर दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया है।

एसपी कविंद्र सिंह सागर और डीएसपी संदीप सिंह के निर्देश पर टीम गठित कर पिछले दिनों हुई चोरियों के मामले में छानबीन की और कई जगह पर दबिश दी इस पर खेड़िया निवासी हितेश पिता कमजी आमलियार और कमलेश पिता भारू डिंडोर को गिरफ्तार कर पूछताछ की इस पर दोनों ने कई जगह पर वारदात करना कबूल किया।

यहां की चोरियां

दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि, टिमेडा गांव में वालसिंह राणा के मकान से मोबाइल और रुपए, सुखेड़ा गांव मे सकीना पिता थावरा अड के मकान से मोबाइल और आभूषण, काचला गांव से दो टिम्मा, महुडी मे खेत से पानी की मोटर, आनंदपुरी थाना क्षेत्र के चांदर, वाड़ा क्षेत्र के उदयपुरा बड़ा गांव में दुकान से लेपटॉप कंप्यूटर और प्रिंटर चोरी करने के बाद जाकर खुलासा किया।

दो साथियों की तलाश जारी

थाना अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि, दोनों आरोपियों के दो साथी प्रकाश बारिया आमलीपाडा निवासी और नानजी उर्फ नांकू पिता नारू खेड़िया निवासी की तलाश जारी है।

पुलिस ने नींबू से शराब बनाने की अवैध फेक्ट्री पकड़ी

सामग्री के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आदिवासी बहुल अंचल के जिले में गुजरात राज्य से सटे बखतगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने नींबू से बनाने वाली शराब की फेक्ट्री का भांडाफोड़ करते हुए शराब बनाने की सामग्री के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शराब से संबंधित मामले आबकारी विभाग के द्वारा देखे जाते है किंतु जिले में आबकारी विभाग की सुस्ती और इसी विभाग के वरिष्ठ अफसर के जिले से गायब रहने पर आबकारी विभाग द्वारा दिखावे की कार्रवाई की जा रही है। जबकि वास्तविक कार्रवाई पुलिस ने आरंभ कर दी है।

मुखबिर से मिली सूचना पर हुई कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव ने बताया कि, थाना बखतगढ क्षैत्रान्तर्गत ग्राम सिलोटा में अवैध रूप से शराब बनाए जाने की सूचना मुखबीर के माध्यम से प्राप्त हुई थी। सूचना को संज्ञान में लेकर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग धीरज चब्बर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा सूचीत स्थान परदबिश दी गई, जहां पर आरोपी दिनेश पिता भलसिंह कनेश (22) निवासी पुवासा ने घटनास्थल ग्राम सिलोटा मेन रोड पर किराए का मकान लेकर अवैध रूप से नींबू से शराब बना रहा था। पुलिस टीम ने घटनास्थल से 3 हजार 570 लीटर नींबू की शराब जन्त की जिसकी कीमत 3 लाख 57 हजार रुपए एवं नींबू की शराब बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री में 35 ड्रम, कीमत 17 हजार 500 रुपए व अन्य 10 हजार रुपए की सामग्री के साथ मौके से 50 हजार रुपए कीमत की बाइक भी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी दिनेश पिता भलसिंह गिरफ्तार कर थाना बखतगढ में विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। प्रकरण अनुसंधान में लिया गया है तथा प्रकरण में जांच भी जारी है।

पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव के द्वारा उक्त टीम की सराहनीय कार्यवाही के लिये इनके उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है।

कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस के आयोजन संबंधित तैयारियों को लेकर की बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह संबंधित आयोजन एवं तैयारियों के संबंध में बैठक का आयेजन कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर सुरेशचन्द्र वर्मा, एडिशनल एसपी बिट्टू सहगल, संयुक्त कलेक्टर देवकीनंदन सिंह, एसडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम सुश्री किरणसिंह अंजना एवं अन्य विभाग प्रमुखगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने कोविड-19 के मद्देजनर प्राप्त निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पूर्ण गरिमामय ढंग से आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन खेल परिसर में किया जाएगा, कार्यक्रम में बच्चे सम्मिलित नहीं होंगे, कार्यक्रम में गणमान्य अतिथिगण की उपस्थित में गणतंत्र दिवस का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के संदेश का वाचन होगा। परेड में, एसएएफ होमगार्ड, वनरक्षक, एसपीसी बल सम्मिलित होंगे, इसके बाद विभिन्न विभागों की झांकियां निकलेंगी, तत्पश्चात उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारीगण को सम्मानित किया जाए। कार्यक्रम में कोविड -19 के मद्देनजर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयेजन नहीं होगा, राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार स्वतंत्रता सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों को उनके घर जाकर संबंधित अधिकारीगण शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित करेंगे।

जनपद परिसर में दीदी चाय जंक्शन का हुआ शुभारम्भ

माही की गूंज, कालापीपल। कालापीपल जनपद पंचायत में मुख्य अतिथि विधायक कुणाल चौधरी की अध्यक्षता, जनपद अध्यक्ष संजय गामी, जनपद उपाध्यक्ष भोजराज पंवार, जिला पंचायत सदस्य नवीन शिंदे व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कालापीपल सिद्ध गोपाल वर्मा की उपस्थिति में शासन की मंशा अनुसार जनपद परिसर कालापीपल में आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्व. सहायता समूह ने ''दीदी चाय जंक्शन'' का शुभारम्भ किया गया, दीदी चाय जंक्शन का संचालन ममता आजीविका स्व सहायता समूह, ग्राम गुनपीपली द्वारा किया जाएगा। श्रीमती मिशासिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाजापुर एवं सुश्री प्रतिभा जैन जिला परियोजना प्रबंधक म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक जनपद पंचायत परिसर में प्रारंभ करवाया गया।

विधायक कुणाल चौधरी ने स्व. सहायता समूह की महिला सदस्यों से रूबरू होकर समूह के संचालन व गतिविधि के सम्बन्ध में चर्चा की व समूह की सदस्यों के अन्य प्रकार की प्रस्तावित गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

नही रहे नाना भाई टेलर, ग्राम में शोक की लहर

धार्मिक प्रवत्ति के थे नाना भाई, लड़ चुके है सरपंच का चुनाव

माही की गूंज, बामनिया। ग्राम के मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति के भरत (नाना भाई टेलर) उपलाना का आकस्मिक निधन आज वडोदरा में हो गया। नाना भाई विगत कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, लेकिन आज उनका निधन हो गया, कोरोना की गाईडलाइन के अनुसार नाना भाई का दाह संस्कार वडोदरा में ही किया गया, निधन की सूचना आते ही उनके परिवार, ईस्ट मित्रो व ग्राम में शोक की लहर छा गई। भरत उपलाना क्षेत्र में नाना भाई टेलर के नाम से जाने जाते है, किसी भी धार्मिक आयोजन के लिए मंदिर के लिए बनने वाले झण्डे व भगवान के वस्त्र निःशुल्क सील कर देते थे। भरत उपलाना भाजपा से भी जुड़े थे और भाजपा के समर्थन से सरपंच का चुनाव भी लड़ चुके है। भरत उपलना के निधन पर जीव दया समिति, मारुति नंनद गोशाला समिति, पत्रकार संघ बामनिया, खेडापति मन्दिर समिति, माँ अम्बिका सेवा समिति की और से भावपूर्ण श्रधंजलि अर्पित की गई।

वनवासी सशक्तिकरण केंद्र में बिना खेत के उगा रहे सब्जियां

माही की गूंज, मेघनगर/खाटरटेकी।

विकासखण्ड के अन्तर्गत आने वाले वनवासी सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोसलिया में सेवा भारती द्वारा संचालित छात्रावास के विद्यार्थी अब हाइड्रोपोनिक्स खेती सीख रहे है, जिसमें बिना खेत के भी हरी पत्तेदार सब्जियां उगाई जा रही है, इसमें जमीन की आवश्यकता नहीं होती है। इन बच्चों के ने हाइड्रोपोनिक तकनीक के तहत काटकर रखे गए पाईप में छेद की हुई प्लास्टिक के गिलास रख देते है, इस गिलास में मिट्टी और जेविक खाद होता है उसमें बीज डाल दिए जाते है। इस तकनीक से पत्तेदार सब्जियां घरों की छत में भी उगाई जा सकती है बच्चों ने अभी इसमें हरा धनिया, मेथी व पालक उगाई है, 15 दिन पहले इस तकनीक से सब्जियों के बीज बोए थे, जो अब अंकुरित होकर बढे हो रहे है। हाइड्रोपोनिक खेती का आईडिया बच्चों ने यूट्यूब पर देखकर सीखा।

हाईड्रोपोनिक्स एक ऐसी तकनीक है, जिसमें फसलों को बिना खेत में लगाए केवल पानी और पोषक तत्वों से उगाया जाता है। इसे ''जलीय कृषि'' भी कहते हैं इन पौधों के लिए कम पानी की जरूरत होती है, इससे पानी की बचत होती है। मिट्टी में पैदा होने वाले पौधों तथा इस तकनीक से उगाए जाने वाले पौधों की पैदावार में काफी अंतर होता है, इस तकनीक से एक किलो मक्का से पांच से सात किलो चारा दस दिन में बनता है।

इस विधि से बिज को उगाने के लिए सबसे पहले बीज को 24 घंटे के लिए पानी में भिगोना होता है, उसके बाद एक ट्रे में डालते हैं और जूट के बोरे से ढक देते हैं, तीन दिनों तक इसे ढके रखने पर उसमें अंकुरण हो जाता है। काटकर रखे गए पाईप में छेंद की हुई प्लास्टिक के गिलास रख देते है, इस गिलास में मिट्टी और जेविक खाद होता है उसमें बीज मिला दिए जाते है। यह तकनीक मेहनत भी बचाती है क्योंकि खेतों में काम करने के लिए काफी मेहनत की जरूरत पड़ती है, जबकि इस तकनीक में ज्यादा मेहनत की आवश्यकता नहीं रहती। ऐसे में फसलों की लागत कम रहती है तथा किसानों को अच्छा मुनाफा मिलता है। हाइड्रोपोनिक तकनीक से पौधों को ज्यादा आक्सीजन मिल जाती है और पौधे ज्यादा तेज गति से पोषक तत्वों को सोखते हैं। परंपरागत हरे चारे में प्रोटीन 10.7 फीसदी होता है जबकि हाइड्रोपोनिक्स हरे चारे में प्रोटीन 13.6 प्रतिशत होती है।

क्या डाकू खड़गसिंह बनकर प्रशासन मीडिया की विश्वसनीयता को खत्म करना चाहता है..?

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण के दौरान सभी पहलुओं के व्यापक अध्ययन के पश्चात ही संविधान का निर्माण किया है, जिसमें लोकतंत्र के चार स्तंभों को आपस में इस प्रकार जोड़ा है कि, सभी एक-दूसरे के पूरक होते हुए एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। इसीलिए पक्ष के साथ विपक्ष और प्रशासन के साथ मीडिया जुड़ा है, लोकतंत्र का हर व्यक्ति सभी जगह से निराश होने के बाद मीडिया के पास आता है शायद इसीलिए मीडिया को लोकतंत्र का सजग प्रहरी कहा गया है।

एक प्रसिद्ध कहानी है, जिसका शीर्षक है ''हार की जीत'', इसमें बाबा भारती नामक संत व डाकू खड़गसिंह की कहानी है, बाबा भारती के पास एक घोड़ा रहता है जिसे वे अपने पुत्र की तरह ही प्रेम करते है, उसी इलाके में रहने वाले डाकू खड़गसिंह की नजर उस घोड़े पर थी और वह उसे बाबा भारती से हथियाना चाहता था, लेकिन बाबा भारती अपना घोड़ा डाकू खड़गसिंह को किसी कीमत पर देना नहीं चाहते थे। एक दिन बाबा भारती घोड़े पर बैठकर कहीं जा रहे थे कि, एक अपाहिज उनसे मदद मांगता है और पास के गांव में वैद्य के पास छोड़ने का कहता है, जिस पर बाबा भारती स्वयं घोड़े से उतर कर उस अपाहिज को घोड़े पर बिठा देते हैं, लेकिन थोड़ी ही दूर चलने पर देखते हैं कि, वह अपाहिज और कोई नहीं बल्कि डाकू खड़गसिंह था जो, अपाहिज बनकर बाबा भारती से घोड़ा हथिया लेता है। बाबा भारती जोर से चिल्लाकर खड़गसिंह से कहते हैं कि, जाते-जाते मेरी एक विनती सुनते जाओ, खड़गसिंह रुक जाता है तो, बाबा भारती उससे कहते हैं कि, इस घटना का जिक्र तुम किसी से मत करना वरना लोगों का इंसानियत से विश्वास उठ जाएगा।

इस घटना का यहां उल्लेख इसलिए आवश्यक है क्योंकि, कुछ ऐसा ही इन दिनों प्रशासनिक अमले में चल रहा है कि, आम जनता सारे प्रयत्न करने के बाद अपनी बात मीडिया तक ले जाते है और मीडिया निष्पक्ष रुप से अपनी जिम्मेदारी निभाती है और तमाम साक्ष्यो के आधार पर बात आम जनता तक पहुंचाती है। जिसके लिए उन्हें साम-दाम-दंड-भेद आदि सभी नीतियों से गुजरना होता है, उन्हें प्रलोभन दिया जाता है, भय दिखाया जाता है, यहां तक की झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी व प्रयास किया जाता है, बावजूद इसके मीडिया अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाता है लेकिन इतना सब कुछ हो जाने के बावजूद भी प्रशासन के कानों तक जूं न रेंगे तो इसे आप क्या कहेंगे, ''क्या प्रशासन स्वयं डाकू खड़गसिंह बनकर मीडिया की विश्वसनीयता को खत्म करना चाहता है?''

ऐसा ही एक मामला पेटलावद क्षेत्र का है जहां रामचंद्र अटकान के नाम का एक जादूगर आदिम जाति विकास विभाग में बाबू के पद पर पदस्थ होकर सालों से एक ही स्थान पर नौकरी कर भ्रष्टाचार रूपी अपनी जादूगिरी का एक बड़ा इतिहास रचता है और अपने कई रिश्तेदारों को अपने विभाग में फर्जी तरीके से एक के बाद एक नौकरी पर लगा-लगाकर एक अध्याय रच देता है। उक्त जादूगरी का अध्याय रचने में महत्वपूर्ण रूप से शासन की व्यवस्था एवं आदेशों को धत्ता बताकर इस इतिहास को रचने में अन्य बाबू जोशी, प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद, सहायक आयुक्त से लेकर संभाग आयुक्त व भोपाली अधिकारियों तक ने सरकार की व्यवस्थाओं पर डाका मार फर्जी नियुक्तियों के आदेश जारी किए और रामचंद्र अटकान को फर्जी नियुक्तियों का एक एतिहासिक जादूगर बना दिया।

उक्त फर्जी नियुक्ति की जादूगरी का भांडा फोड़ने के लिए रमेश धानक नाम के व्यक्ति ने बीड़ा उठाया और फर्जी नियुक्तियों की जादूगरी का खेल सूचना अधिकार के तहत हजारों पन्नों में तथ्यात्मक रूप से प्राप्त कर, पूरे विश्वास के साथ ऊपरी स्तर तक के प्रशासनिक अधिकारियों को फर्जी नियुक्तियों की जादूगिरी कि, एक नहीं कई बार शिकायते की व शासन तक उक्त मामले को अवगत करवाया, परंतु सभी ने भ्रष्टाचार की डुबकी लगाते हुए डाकू खड़गसिंह की तरह बाबा भारती की तर्ज पर रमेश धानक के विश्वास को छिन्न-भिन्न कर दिया। जिसके बाद चौथे स्तंभ पर विश्वास जताकर फर्जी नियुक्तियों की जादूगरी माही की गूंज को पूरे तथ्यात्मक दस्तावेजों के साथ दिए। माही की गूंज ने अपनी कर्तव्य निष्ठा का पालन कर एक-दो नहीं वरन् 19 समाचार क्रमबद्ध दिनांक 30 जुलाई 2020 से 24 दिसंबर 2020 तक पूरी जवाबदेही एवं तथ्यात्मक रूप से प्रकाशित किए और उजागर किया कि, किस तरह से सत्ता व विपक्ष के संरक्षण के साथ निरंकुश प्रशासन ने एक ही परिवार के कई सदस्यों की फर्जी नियुक्तियां कर बाबू रामचंद्र अटकान को फर्जी नियुक्ति का जादूगर अनाधिकृत निर्देशों के साथ घोषित कर दिया व सरकारी खजाने से फर्जी रूप से वेतन भी आहरण किया गया।

माही की गूंज की यह कलम जहां जनहित में उठाएं रमेश धानक के मुद्दे को बेबाकी के साथ क्रमबद्ध सच को उजागर कर रही थी। वहीं प्रथम समाचार के साथ ही इस कलम को भी जिस तरह से जांच को प्रभावित किया गया, उसी तरह प्रभावित करने का प्रयास कर गूंज को गांधी छाप का बड़े रूप में प्रलोभन, भ्रष्ट फर्जी नियुक्तियों के जादूगर ने अपने हितेशीयों के माध्यम से देने का प्रयास किया। लेकिन माही की गूंज की कलम ने अपने कर्तव्य निष्ठा का पालन सजग प्रहरी के रूप में कर अपने कर्तव्य की पूर्ति की और यह पूरा प्रयास किया कि, भविष्य में भी कभी चौथे स्तंभ से जनता का विश्वास न उठ जाए और क्रमबद्ध तरीके से पुरी बेबाकी के साथ समाचारों का संकलन किया। वहीं भ्रष्ट फर्जी नियुक्तियों के जादूगर रामचंद्र अटकान ने प्रलोभन के साथ अपने साथियों के माध्यम से महिला उत्पीड़न के अपराध दर्ज करवाने की धमकी सोशल मीडिया पर दी, साथ ही मानहानि का दावा एससी-एसटी एक्ट मे झूठे प्रकरण दर्ज करवाने व थाने में अपराध दर्ज करवाने का अपनी पुरी जादूगरी दिखाकर प्रयास किया। गूंज की इस कलम को इन भ्रष्टों ने अपने प्रभाव के साथ झूठे अपराधों का भय बताकर रोकने का हर संभव प्रयास किया, ऐसी विकट परिस्थितियों में भी माही की गूंज अपने पाठकों के विश्वास पर खरा उतर कर सर्वदा अपनी कलम का निर्वाह कर अपना विश्वास बनाए रखेगी। परंतु क्या विधायिका व निरंकुश कार्यपालिका डाकू खड़गसिंह बनकर अपने कार्य की इतिश्री कर बाबा भारती जैसे आमजन का विश्वास खत्म कर अब मीडिया की विश्वसनीयता को भी खत्म करना चाहती है? क्या प्रदेश में भ्रष्टाचार का खात्मा करने की बात करने वाली शिवराज सरकार ऐसे भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कर अपना विश्वास आमजन में कायम कर पाएगी? यह एक अहम सवाल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422